कार्तिक शुक्ल - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 109 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 13-11-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा कांग्रेस की तरह भेदभाव नहीं करती : नड्डा
6 कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाती नमो ड्रोन दीदी योजना
7 प्रकृति की गोद देहरादून में एडवेंचर कर रहीं अभिनेत्री राइमा सेन

370 पर पाकिस्तान की भाषा बोल रही कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 को बहाल करने की मांग करके पाकिस्तान की भाषा बोल रही है।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पुणे में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''अनुच्छेद-370 को कोई वापस नहीं ला सकता। हमने इसे जमीन में गहराई में दफन कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि देश कभी अनुच्छेद-370 की बहाली की मांग का समर्थन नहीं करेगा।

मोदी ने कहा, ''कांग्रेस ने अनुच्छेद-370 को फिर से लागू करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है। जो लोग देश को संविधान की प्रति दिखा रहे हैं और महाराष्ट्र में कोरी किताबें बांट रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने (कांग्रेस) देश पर छह-सात दशक तक शासन किया, लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर का बनाया संविधान पूरे भारत में लागू क्यों नहीं किया गया?'' उन्होंने कहा, ''जनता के आशीर्वाद से आपके सेवक मोदी ने अनुच्छेद-370 को जमीन में दफन कर दिया है। अनुच्छेद-370 ने कश्मीर को भारत से अलग किया और कश्मीर में आतंकवाद एवं अलगाववाद को बढ़ावा दिया।''

मोदी ने कहा, ''अनुच्छेद-370 भारत के संविधान को कश्मीर में लागू करने की इजाजत नहीं देता था। भाजपा ने अनुच्छेद-370 हटाया और तिरंगा फहराया। हमने कश्मीर में शांति बहाल की और अलगाववादियों के मंसूबों पर फेर दिया।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक में कांग्रेस ने झूठ बोला और लोगों से उन्हें वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार बनाई, लेकिन अपने वादे पूरे नहीं कर पाए। इसके बजाय, वे कर्नाटक में जबरन वसूली अभियान चला रहे हैं।''

मथुरा की रिफाइनरी में विस्फोट से लगी आग, 10 से अधिक लोग झुलसे

मथुरा (उप्र)/भाषा। आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मथुरा की एक रिफाइनरी में मंगलवार शाम आग लगने से 10 से अधिक लोग झुलस गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, इस घटना में करीब 10 से 12 लोग झुलस गए हैं। पहले इन सभी को रिफाइनरी के ही रिफाइनरी नगर स्थित अस्पताल में ले जाया गया, जहां कुछ लोगों का तो स्थानीय स्तर पर ही इलाज शुरू कर दिया गया, किंतु उनमें से चार लोगों की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, उस समय जोरदार धमाके के साथ रिफाइनरी की मुख्य इकाई में आग लग गई, जब करीब डेढ़ माह काम बंद रहने के बाद इकाई को पुन: चालू किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जोरदार धमाके के साथ भारतीय तेल निगम (आईओसीएल) के इस तेलशोधक कारखाने में आग लग गई, जिसकी लपटें कई किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रही थीं।

आतंकवादी पन्नू ने दी अयोध्या में राम मंदिर पर हमले की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। कनाडा में रहने वाले खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा वीडियो जारी कर हमले की धमकी मिलने के बाद मंगलवार सुबह अयोध्या में राम मंदिर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

एक कथित वीडियो संदेश में, पन्नू ने कहा कि 16-17 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर खून-खराबा होगा। इसके बाद अयोध्या प्रशासन और अधिक सतर्क हो गया है क्योंकि 18 नवंबर को राम मंदिर में राम विवाह उत्सव होना है। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की उम्मीद है।

पुलिस ने कहा कि धमकी के बाद पूरी अयोध्या नगरी किले में तब्दील हो गई है। राम जन्मभूमि परिसर के आसपास सुरक्षा और मजबूत कर दी गई है।

लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का भारत ने सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को ओडिशा तट के निकट एकीकृत परीक्षण रेंज से लंबी दूरी की जमीन पर मार करने वाले क्रूज मिसाइल का पहला सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परीक्षण के दौरान, सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया और प्राथमिक मिशन के उद्देश्यों को पूरा किया।

इसमें कहा गया कि मिसाइल ने मार्ग लक्ष्य नौवहन का प्रयोग करते हुए वांछित पथ का अनुसरण किया और विभिन्न ऊंचाइयों और गति पर उड़ान भरते हुए विभिन्न प्रकार के युक्तिचालन करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी सुसज्जित है।

रजाकारों के हमले में अपनी मां और बहन की मौत पर

मुस्लिम वोटबैंक के लिए चुप हैं खरगे : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दावा किया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रजाकारों के हमले में अपनी मां और बहन की हुई दुखद मौत पर जानबूझकर चुप्पी साध रखी है, क्योंकि उन्हें मुस्लिम वोट खोने का डर है।

अभी कुछ ही दिन पहले खरगे ने भगवा परिधान एवं 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे को लेकर योगी आदित्यनाथ की आलोचना की थी।

योगी आदित्यनाथ ने आज अमरावती में एक चुनावी रैली में खरगे पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता खरगे पर राजनीतिक स्वार्थ के लिए अपनी दुखद व्यक्तिगत यादों को दबा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया, ''(मल्लिकार्जुन) खरगे के गांव में रजाकारों ने आग लगा दी थी तथा उनकी मां, बहन और एक रिश्तेदार उस हमले में मारी गयी थीं।'' योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि खरगे इस तथ्य को दबा रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि यदि उन्होंने निजाम की सेना द्वारा किये गये अत्याचारों के बारे में बोला तो वह मुस्लिम वोट गंवा बैठेंगे। उन्होंने कहा , ''कांग्रेस इतिहास को नकारने की कोशिश कर रही है और खरगे ने वोट बैंक की राजनीति के लिए अपने परिवार के साथ जो कुछ हुआ था उसे आसानी से भुला दिया है।''

बेरूत के उपनगरीय इलाकों में इजराइली हमला, गाजा में 14 फलस्तीनियों की मौत

दीर अल बलाह/एपी। इजराइल द्वारा गाजा में एक भोजनालय और एक घर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने मंगलवार को लेबनान में कई घरों को खाली करने का आदेश दिया था, जिसके बाद युद्धक विमानों ने राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया। इस बीच आठ अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों के एक समूह ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि इजराइल अमेरिकी मांगों को पूरा करने में विफल रहा है। इजराइली सेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में 11 घरों को खाली करने का आदेश जारी किया था, जिसके कुछ देर बाद ये इलाके विस्फोटों से दहल गए। कहा जाता है कि इस क्षेत्र में हिज्बुल्ला की उपस्थिति ज्यादा थी।

एमवीए है 'अस्थिर गाड़ी, मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही है नूराकुश्ती : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोलापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) को सबसे 'अस्थिर गाड़ी' करार देते हुए कहा यह कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। उन्होंने इसके घटक दलों में अंदरूनी कलह होने का दावा करते हुए कहा कि इनके बीच मुख्यमंत्री पद के लिए नूराकुश्ती भी चल रही है।

राज्य में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सोलापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, आप सब देख रहे हैं कि आघाडी में कैसे भगदड़ मची हुई है। अभी से आघाडी में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान, नूराकुश्ती चल रही है। उन्होंने कहा, एक पार्टी पूरे दिन अपने नेता को मुख्यमंत्री बताने में लगी रहती है। दूसरी पार्टी और कांग्रेस वाले उनकी दावेदारी खारिज करने में लगे रहते हैं। चुनाव से पहले जिनका ये हाल है, वो आघाडी वाले महाराष्ट्र को कभी भी स्थिर सरकार नहीं दे सकते।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एमवीए वाले जिस गाड़ी पर चल रहे हैं, वह ऐसी गाड़ी है जिसमें न पहिये हैं और ना ही ब्रेक है। उन्होंने कहा, कौन चलाएगा इसके लिए मारामारी है। आघाडी सबसे अस्थिर गाड़ी है, ये लोग आपस में ही झगड़ा करने में समय बर्बाद कर देते हैं। उन्होंने कहा, जिनकी हालत चुनाव से पहले ऐसी है, वे कभी महाराष्ट्र को स्थिर सरकार नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि दशकों तक कांग्रेस ने देश पर शासन किया लेकिन कई मुद्दों को अनसुलझा छोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने लोगों को विभिन्न समस्याओं में व्यस्त रखा। यह उनकी विशिष्ट कार्य संस्कृति बन गई है। मोदी ने कहा कि इसके कारण महाराष्ट्र में किसानों को कई वर्षों तक नुकसान उठाना पड़ा।

ओडिशा: जमाकर्ताओं के बचत खातों से रुपयों का गबन कर पोस्टमास्टर फरार

जाजपुर/भाषा। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक पोस्टमास्टर जमाकर्ताओं के लगभग 50 लाख रुपए का कथित रूप से गबन कर फरार हो गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि कुआनालो डाकघर का पोस्टमास्टर कोडनाधारा बोइताई ने डाकघर में 50 से अधिक जमाकर्ताओं के बचत खाते से कथित तौर पर करीब 50 लाख रुपए उड़ा लिए और वह 23 अक्टूबर से फरार है। जमाकर्ताओं ने सोमवार को जाजपुर शहर में डाकघर के सहायक अधीक्षक का घेराव कर अपने रुपए वापस मांगे। अधिकारी ने बताया कि जालसाजी का यह मामला तब सामने आया जब एक महिला जमाकर्ता अपने खाते से पैसे निकालने के लिए कुआनालो डाकघर पहुंची।

सबितारानी दास ने बताया, पोस्टमास्टर ने सितंबर में पासबुक में तिमाही ब्याज की राशि दर्ज करने का हवाला देकर मेरी और कई जमाकर्ताओं के खाते की किताब जमा कर ली थी। तब से पासबुक उसके पास ही थी। जब मैं अपने खाते से पैसे निकालने पहुंची तो उन्होंने मुझे दो दिन बाद आने को कहा और मुझे बताया कि सभी पासबुक ब्याज गणना के लिए जाजपुर के मुख्य डाक घर भेज दी गई हैं।

जाजपुर डाक विभाग के सहायक अधीक्षक हरिशंकर सुबुद्धि ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में पोस्टमास्टर ने जमा किए गए पैसे हड़प लिए। सुबुद्धि ने बताया, हमें पिछले महीने इस घटना के बारे में पता चला। घटना की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। दोषी अधिकारी के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मामलों की तत्काल सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख की अनुमति नहीं, ईमेल या पत्र भेजा जाए: प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि मामलों को तत्काल सूचीबद्ध करने और उन पर सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने वकीलों से इसके लिए ईमेल या लिखित पत्र भेजने का आग्रह किया।

आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष अपने मामलों पर तत्काल सुनवाई के लिए उनका उल्लेख करते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अब कोई मौखिक उल्लेख नहीं होगा। केवल ईमेल या लिखित पर्ची/पत्र में ही होगा। बस, तत्काल सुनवाई की आवश्यकता के कारण बताएं। प्रधान न्यायाधीश ने न्यायिक सुधारों के लिए नागरिक-केंद्रित एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है और कहा है कि न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना और नागरिकों के साथ उनकी स्थिति की परवाह किए बिना समान व्यवहार करना न्यायपालिका का संवैधानिक कर्तव्य है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में 51वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति खन्ना को शपथ दिलाई थी। न्यायमूर्ति खन्ना ने लोकतंत्र के तीसरे स्तंभ न्यायपालिका का नेतृत्व करने पर अत्यधिक सम्मान महसूस होने की बात कही। प्रधान न्यायाधीश ने सोमवार को अपने पहले बयान में कहा, न्यायपालिका शासन प्रणाली का अभिन्न, फिर भी अलग और स्वतंत्र हिस्सा है। संविधान हमें संवैधानिक संरक्षक, मौलिक अधिकारों के रक्षक और न्याय के सेवा प्रदाता होने के महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपता है। उन्होंने कहा, समान व्यवहार के मामले में न्याय वितरण ढांचे में सभी को सफल होने का उचित अवसर प्रदान करना आवश्यक है, चाहे उनकी स्थिति, धन या शक्ति कुछ भी हो, और ये न्यायपूर्ण और निष्पक्ष निर्णय हो। ये हमारे मूल सिद्धांतों को चिह्नित करते हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें सौंपी जिम्मेदारी नागरिकों के अधिकारों के रक्षक और विवाद समाधानकर्ता के रूप में हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हमारे महान राष्ट्र के सभी नागरिकों के लिए न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य है। न्यायमूर्ति खन्ना ने न्यायपालिका के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया जिनमें लंबित मामलों की संख्या कम करना, मुकदमेबाजी को किफायती बनाना और जटिल कानूनी प्रक्रियाओं को सरल बनाने की आवश्यकता शामिल है।

एलआईसी ने टाटा पावर में 2.02 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,888 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने टाटा पावर कंपनी में 2.02 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी लगभग 2,888 करोड़ रुपए में बेच दी है। एलआईसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टाटा पावर में अब एलआईसी की हिस्सेदारी घटकर 3.88 प्रतिशत रह गई है।

एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टीपीसीएल) में अपनी हिस्सेदारी 18,87,06,367 शेयरों से घटाकर 12,39,91,097 शेयर कर दी है। यह कंपनी की चुकता पूंजी के 5.90 प्रतिशत से घटकर 3.88 प्रतिशत रह गई है। ये शेयर 20 जून, 2024 से 11 नवंबर, 2024 के बीच खुले बाजार में 446.402 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचे गए। इस कीमत पर एलआईसी ने 2,888 करोड़ रुपए में 6.47 करोड़ से अधिक शेयर या 2.02 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची। बीएसई पर एलआईसी का शेयर 0.32 प्रतिशत बढ़कर 921.45 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुआ।

खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 6.21 प्रतिशत पर

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने यानी सितंबर में 5.49 प्रतिशत थी। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ऐसा मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने के कारण हुआ है। इस तरह खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर के ऊपर निकल गई है। पिछले साल इसी महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 4.87 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर में 9.24 प्रतिशत और पिछले साल अक्टूबर में 6.61 प्रतिशत थी।

सरकार ने उत्तरी सीमाओं पर तैनाती के लिए एटीवी की खरीद प्रक्रिया शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने उत्तरी सीमाओं पर तैनाती को लेकर भारतीय सेना के लिए 'ऑल-टेरेन व्हीकल्स' (एटीवी) खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस खरीद प्रक्रिया के लिए मंगलवार को सूचना का अनुरोध (आरएफआई) जारी किया गया। एटीवी, ऐसे वाहन होते हैं, जो किसी भी भूभाग पर चल सकते हैं।

आरएफआई के अनुसार, एटीवी सेना की पैदल टुकड़ियों को निगरानी के लिए देशभर में आने-जाने, हथियारों के इस्तेमाल और अभियान में रसद आपूर्ति का एक साधन प्रदान करेगा। आरएफआई में बताया गया कि यह वाहन उन इलाकों में तेजी से आ-जा सकेंगे, जहां कच्ची सड़कें या फिर सड़क है ही नहीं। आरएफआई दस्तावेज के अनुसार, रक्षा मंत्रालय और भारत सरकार भारतीय सेना के लिए उत्तरी सीमाओं पर तैनाती के लिए एटीवी की खरीद की इच्छुक है। परियोजना को शुरू करने वाले संभावित विक्रेताओं की पहचान करने के उद्देश्य से यह अनुरोध किया जाता है कि वे उस उत्पाद के बारे में जानकारी भेजें जो वे पेश कर सकते हैं। साथ ही सरकार ने सहायक उपकरणों से लैस निगरानी हेलीकॉप्टर खरीदने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। आरएफआई के मुताबिक, निगरानी हेलीकॉप्टरों के लिए सहायक उपकरणों को 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रमों के अंतर्गत खरीदने की योजना है। आरएफआई में उन भू-स्थितियों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें 'निगरानी हेलीकॉप्टरों' को काम में लाया जाएगा।

वडोदरा आईओसीएल रिफाइनरी अग्निकांड : मृतकों की संख्या बढ़कर दो हुई

वडोदरा/भाषा। गुजरात के वडोदरा में 'इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल)' की रिफाइनरी में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है, जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जवाहर नगर थाने के निरीक्षक ए. बी. मोरी ने बताया कि सोमवार को दोपहर में रिफाइनरी के बेंजीन भंडारण टैंक में विस्फोट होने के बाद आग लग गई जो जल्द ही आसपास के दो अन्य टैंकों तक फैल गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के तक प्रयास किए जाने के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

मोरी ने बताया कि इस घटना में धीमंत मकवाना और शैलेश मकवाना नामक दो लोगों की मौत हो गई। आईओसीएल के एक अधिकारी घायल हो गए हैं और उनका निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। घायल व्यक्ति की हालत स्थिर है। अधिकारियों ने बताया कि आसपास के शहरों और कस्बों से दमकल वाहनों को बुलाकर व्यापक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। अधिकारी ने बताया था कि वडोदरा के बाहरी इलाके कोयली क्षेत्र में स्थित आईओसीएल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ, जिससे आग लग गई।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के इंफेन्ट्री रोड स्थित एक होटल में द कर्नाटक ग्लास प्लाइवुड एंड लेमिनेट डीलर एसोसिएशन की साधारण सभा का आयोजन हुआ। जिसमें एसोसिएशन के 32 वर्षों से प्रेसिडेन्ट रहे परणज्योति ने इस्तीफा दिया। नए अध्यक्ष के रूप में जीआर प्रसाद को चुना गया। एसोसिएशन के मुख्य संयोजक प्रेम कुमार बिहानी (अंडमान प्लाइवुड एजेंसी) ने बताया कि प्लाईवुड मार्केट के वरिष्ठ व्यापारी एल एन डागा एवं एच एस लूनिया ने मैसूरु साफ़ा पहनाकर एवं शॉल ओढाकर व माल्यार्पण कर पूर्व अध्यक्ष परम ज्योति को उनके कार्यकाल के लिए सम्मानित किया।

'सुन ले कन्हैया अर्जी हमारी..' भजन संध्या में सजा श्याम दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संस्था श्री श्याम सखा परिवार द्वारा 10 नवम्बर को लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ जैन भवन में दोपहर 2 बजे से पंचम वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। बाबा श्याम के दरबार में श्री श्याम सखा परिवार के बिमल सुरोलिया, सुभाष राजपुरोहित, भंवर सिंह राजपुरोहित, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने सह परिवार ने पूर्ण विधिविधान से पंडित विजय शुक्ला के सान्निध्य में पूजन किया। तत्पश्चात अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित होने पर उपस्थित भक्तों ने 'जय श्री श्याम...श्याम प्यारे की जय..' के जयकारों से पूरे सभागार को श्याम के रंग में रंग दिया।

जयपुर से आए भजन प्रवाहक प्रेम शर्मा ने 'श्याम बाबा.. श्याम बाबा.. तेरे पास आया हूँ ..चरणों में तेरे अरदास लाया हूं...' की प्रस्तुति पर भक्तों ने झूम झूमकर आनन्द लिया। जयपुर के ही गिरिराज शर्मा एवं रायसिंहनगर के भजन प्रवाहक कन्हैया झा ने भी खाटूनरेश को बहुत ही सुंदर भजनों के माध्यम से रिझाया। सभी कलाकारों का संस्था द्वारा सम्मान किया गया। स्थानीय गायक रामसुंदर बगड़िया, पंडित मुरारी दाधीच, किशन बगड़िया, श्रेया इंदौरिया श्रुति पुरोहित ने भी मधुर भजनों की प्रस्तुति से समा बांध दिया।

इस अवसर पर श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवतमल झंवर, प्रभात किशनपुरिया, श्याम गौशाला के प्रधान सतीश गोयल, बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर संघ के अध्यक्ष विशाल वरनदानी, गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया, स्वास्तिक सेवा संघ के सतीश मित्तल, जीण माता सेवा समिति के अध्यक्ष राजू भूतड़ा, एफकेसीसीआई के पदधिकारी पहाड़ सिंह राजपुरोहित, श्याम सेवा संघ कीर्तन मंडल के मुकेश जिंदल, श्याम सेवा संघ के मुकेश बजाज , शाकम्बरी सेवा समिति के बालकिशन धानुका ने बाबा की ज्योत लेकर आशीर्वाद लिया।

गोडवाड़ जैन भवन के महासचिव कुमारपाल सिसोदिया ने उपस्थित श्याम प्रेमियों को अपने सम्बोधन में कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए हर सनातनी को आगे आकर सनातन धर्म की रक्षा करने की जरूरत है। सभी समाज संस्थाओं से पधारे सदस्यों का भी संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह एवं दुपट्टा पहनाकर आतिथ्य सत्कार किया गया।

माहेश्वरी सेवा समिति का 'रामा श्यामा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा दीपावली के मौके पर 'रामा श्यामा' मिलन का आयोजन किया। एचएसआर लेआउट के व्हाइट हाउस में हुए इस कार्यक्रम में अध्यक्ष नारायण चांडक, सचिव नवल मालू, अभा माहेश्वरी सभा के कार्यकारी सदस्य ललित मोहन राठी, देवेंद्र सोनी, बृज किशोर बिहानी, नंदलाल सोमानी वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मार्बल पॉइंट के महेश प्रदीप मंधाना एवं सुंदर सोमानी, सचिन सोनी, मोहन लाल सोमानी की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सतीश रेडी उपस्थित रहे। गीत-संगीत, अपनों का साथ, बंपर लकी ड्रॉ और स्वादिष्ट भोजन के साथ दीपावली का जश्न मनाया गया। महेश्वरी सेवा समिति दक्षिण बेंगलूरु द्वारा आयोजित उत्सव में करीब 1200 बंधुओं की उपस्थिति रही। महिला सेवा समिति के अध्यक्ष कांता सोमानी एवं सचिव निधि राठी का विशेष योगदान रहा। युवा संगठन के अध्यक्ष किशन बाहेती एवं राष्ट्रीय समिति के सदस्य अमित माहेश्वरी एवं सहसंघटन मंत्री सचिन मुन्दरा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

खुदरा कीमतों पर नियंत्रण के लिए बाजार में बफर स्टॉक से और प्याज उतारेगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह प्याज की कीमतों पर कड़ी नजर रख रही है और अस्थायी आपूर्ति बाधाओं के बीच कीमतों को स्थिर करने के लिए खुदरा बाजार में बफर स्टॉक से अधिक मात्रा में प्याज उतारेगी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में प्याज का खुदरा मूल्य 67 रुपए प्रति किलोग्राम है, जबकि इसका अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 58 रुपए प्रति किलोग्राम है। एक सरकारी बयान में कहा गया, सरकार ने त्योहारी मौसम और मंडियों के बंद होने के कारण पिछले 2-3 दिनों में कुछ बाजारों में प्याज की आपूर्ति में अस्थायी बाधा को दूर करने के लिए प्याज आपूर्ति को बढ़ाने का फैसला किया है। सहकारी संस्था नाफेड ने इस सप्ताह दिल्ली-एनसीआर के लिए दो और रैक और गुवाहाटी के लिए एक रैक मंगवाया है। इसी तरह, बाजार में प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन के माध्यम से खेपों को भी बढ़ाया जाएगा।

इसके अलावा सरकार ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली आदि की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोनीपत के कोल्ड स्टोरेज में रखे प्याज को उतारने का भी फैसला किया है। बयान में कहा गया, सरकार बाजार के घटनाक्रमों से वाकिफ है और प्याज की कीमतों को स्थिर करने के लिए उचित कदम उठा रही है। इस बीच, सरकार ने कहा कि मंडियों में कीमतों में गिरावट के साथ टमाटर की खुदरा कीमतें नीचे आ रही हैं। आजादपुर मंडी में, साप्ताहिक औसत कीमत 27 प्रतिशत घटकर 4,000 रुपए प्रति क्विंटल और पिंपलगांव (महाराष्ट्र) में, साप्ताहिक औसत कीमत 35 प्रतिशत घटकर 2,250 रुपए प्रति क्विंटल रह गई है। मदनपल्ले (आंध्र प्रदेश) में, कुल साप्ताहिक आवक में 20 प्रतिशत की वृद्धि के बीच साप्ताहिक औसत कीमत 26 प्रतिशत घटकर 2,860 रुपए प्रति क्विंटल रह गई है। कोलार (कर्नाटक) में, साप्ताहिक औसत कीमत 27

शेयर बाजार में भारी गिरावट से निवेशकों के 5.29 लाख करोड़ रुपए डूबे

नई दिल्ली/भाषा। शेयर बाजार में तेज गिरावट के चलते मंगलवार को निवेशकों के 5.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 800 अंक से अधिक गिर गया। कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों, विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहने और एशियाई तथा यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुझान से स्थानीय बाजारों में कमजोरी आई। बीएसई सेंसेक्स 820.97 अंक या 1.03% गिरकर 78,675.18 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 948.31 अंक या 1.19 प्रतिशत गिरकर 78,547.84 पर आ गया था। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5,29,525.42 करोड़ रु.घटकर 4,37,24,562.57 करोड़ रुपए रह गया। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 1.26 प्रतिशत और मिडकैप में 0.98 प्रतिशत की गिरावट आई। क्षेत्रवार सूचकांकों की बात करें तो बिजली में 2.79 प्रतिशत, उपयोगिताओं में 2.20 प्रतिशत, पूंजीगत सामान में 2.14 प्रतिशत, वाहन में 1.95 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादों में 1.82 प्रतिशत और धातु में 1.52 प्रतिशत की गिरावट हुई।

वाल्मिकी जयंती

मंगलवार को मैसूरु के एचडी कोटे में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने महर्षि वाल्मिकी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वाल्मिकी जयंती कार्यक्रम का उद्घाटन किया। हिरेहल्ला महर्षि वाल्मिकी महापीठ के स्वामीजी प्रसन्नानंदपुरी स्वामीजी और विधायक अनिल चिकमदु और समुदाय के नेता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर मैसूरु जिला प्रशासन और जिला पंचायत द्वारा आयोजित एचडी कोटे विधानसभा क्षेत्र में 443.64 करोड़ के कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

आदिवासी/वन जन विकास निगम जल्द ही उचित कार्रवाई करेगा : सिद्दरामय्या

मैसूरु। मैसूरु के एचडी कोटे के 12केरेहाडी में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आदिवासी/अरण्यवासी विकास निगम के गठन के संबंध में शीघ्र ही उचित कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने वादा किया कि वन अधिकारियों के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करने और समाधान खोजने के लिए वन्यजीव बोर्ड की एक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने केरेहड़ी का दौरा किया और वनवासियों के मुंह से उनकी समस्याएं सुनीं, वहां के अधिकारियों से जानकारी ली और कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुझाया और परिसर के संबंध में वन्यजीव बोर्ड में उचित निर्णय लिया जाएगा। आदिवासियों को सुनने के बाद कहा कि केरेहड़ी सहित कई गांवों में कई दशकों से बिजली नहीं है, जिससे पीने के पानी की समस्या हो रही है। वन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अनावश्यक उत्पीड़न न किया जाए।

मुख्यमंत्री ने आदिवासियों की मौजूदगी में आदिवासी गणेश और रमेश के पैरों के पास जमीन पर बैठकर उनकी समस्या सुनी और वन अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागों के प्रमुखों से चर्चा की। अंत में, जिला कलेक्टर लक्ष्मीकांत रेड्डी ने मुख्यमंत्री से कहा कि वह एक महीने के भीतर सभी बाधाओं को दूर कर केरेहाडी और आठ अन्य गांवों की पेयजल और बिजली कनेक्शन की समस्या का समाधान करेंगे।

जैसे ही मुख्यमंत्री ने हॉल में प्रवेश किया, उनका पारंपरिक पोशाक, पारंपरिक गीत और नृत्य के साथ स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने आदिवासियों के साथ समय बिताया और उनकी समस्याओं को सुना तथा वहां एक नृत्य में भी भाग लिया।

कुमारस्वामी को 'कालिया' कहने पर कर्नाटक के मंत्री खान ने माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी को 'कालिया' कहकर संबोधित करने के लिए मंगलवार को माफी मांगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने खान की टिप्पणी को नस्ली' बताकर इसकी निंदा की थी। हालांकि, कांग्रेस नेता ने बार-बार यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि उन्होंने पहले भी स्नेहवश कुमारस्वामी को इस तरह से संबोधित किया है जब उनके बीच घनिष्ठता थी और यह पहली बार नहीं है।

आवास और वक्फ मंत्री पहले जद (एस) में थे और उन्हें कुमारस्वामी का करीबी सहयोगी माना जाता था। कुमारस्वामी पहले मुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। खान ने कहा, ...अगर मैंने उन्हें पहली बार ऐसे शब्द से पुकारा होता तो मैंने माफी मांग ली होती...स्नेहवश वह मुझे कुल्ला' (बौना) कहा करते थे, मैं उन्हें करिअन्ना (काला भाई) कहकर बुलाता था। इसके बावजूद उन्हें या किसी और को इससे ठेस पहुंची है, तो मैं माफी मांगता हूं।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं आज से नहीं, बल्कि शुरू से ही स्नेहवश उन्हें इसी तरह बुलाता था। वह मुझे 'कुलन्ना' कहते थे और मैं उन्हें 'करिअन्ना' (उनकी त्वचा के रंग के संदर्भ में) कहता था।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उनके बयानों का असर चन्नपटण में विधानसभा उपचुनावों पर पड़ेगा, खान ने कहा, ''क्यों असर पड़ेगा? मैंने पहली बार इस तरह से उन्हें संबोधित नहीं किया है। जब मेरे और कुमारस्वामी के बीच घनिष्ठता थी, तो वह मुझे 'कुल्ला' कहा करते थे, मैं उन्हें करिअन्ना कहता था...अगर जद(एस) कार्यकर्ताओं को इससे दुख पहुंचा है, तो मैं माफी मांगता हूं।'' जद(एस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सरकार से खान को उनकी नस्ली टिप्पणी' के लिए मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग की है।

कर्नाटक सरकार ने अभूतपूर्व पैमाने पर काम किया, लोग कांग्रेस के लिए वोट करेंगे : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि कर्नाटक में उसकी सरकार ने अपने वादे पूरे किए हैं और लोगों के जीवन में समृद्धि लेकर आयी है। साथ ही उसने विश्वास जताया कि लोग आगामी उपचुनावों में पार्टी को वोट देंगे। कांग्रेस के महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि मई 2023 में पार्टी पांच गारंटी के साथ कर्नाटक के लोगों के पास गयी थी जो राज्य के लोगों को समृद्धि, समानता एवं न्याय हासिल करने में मदद करेंगी। उन्होंने दावा किया कि अपने 18 महीने के कार्यकाल में कांग्रेस सरकार ने अभूतपूर्व पैमाने पर काम किया है।

रमेश ने गारंटियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'गृह लक्ष्मी' के तहत कर्नाटक में 1.22 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 25,407 करोड़ रुपये की वार्षिक निधि भेजी गयी। उन्होंने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अन्न भाग्य के तहत 4.08 करोड़ नागरिकों के बैंक खातों में 8,433 करोड़ रुपये की वार्षिक निधि भेजी गयी क्योंकि नॉन-बायलॉजिकल' प्रधानमंत्री की सरकार ने भारतीय खाद्य निगम को कर्नाटक सरकार को चावल बेचने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि गृह ज्योति' के तहत 1.64 करोड़ परिवारों को 200 यूनिट निशुल्क बिजली देने के लिए 9,455 करोड़ रुपये की वार्षिक निधि दी गयी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि शक्ति निशुल्क बस यात्रा के तहत कर्नाटक की महिलाओं ने मई 2023 से अब तक 320 करोड़ से अधिक निशुल्क बस यात्राओं का लाभ उठाया जिस पर 7,310 करोड़ रुपये का खर्च आया। उन्होंने कहा, युवानिधि के तहत पांच लाख युवाओं (स्नातक और डिप्लोमा धारकों) को स्नातक/डिप्लोमा करने के दो साल बाद तक प्रति माह 3,000/1,500 रुपये मिलते हैं।

रमेश ने कहा कि इस सरकार ने अपने वादे पूरे किए हैं और अपने लोगों के जीवन में अभूतपूर्व समृद्धि लेकर आयी है। रमेश ने कहा, कर्नाटक के लोग आगामी चुनाव में गारंटी और कांग्रेस के लिए वोट करेंगे। कर्नाटक में चन्नपटण, संडुर और शिग्गांव विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

चोरी के सवा करोड़ के सोने के आभूषण के साथ तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सम्पेगेहल्ली में गत 21 अक्टूबर को हुई चोरी की वारदात में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1.2 करोड़ रुपए मूल्य के सोने के आभूषण एवं अन्य कीमती वस्तु बरामद की है। सम्पेगेहल्ली स्थित थियेटर के मालिक नागेश के घर से वहां काम कर रहे गीता और गणेश दम्पति ने चोरी की थी। गत 21 अक्टूबर को घर में काम करने वाले दम्पत्ति ने मालिक नागेश के पेय में कुछ मिला दिया जिससे वह बेहोश हो गया।

बाद में अपने तीन और साथी सिक्युरिटी गार्ड अफिल शाही, प्रकाश साही और बाबर्ची जगदीश साही की मदद से चोरी को अंजाम दिया।

उन्होंने घर में रखे 2 किलो 510 ग्राम के सोने के आभूषण, चांदी के आइटम और पांच लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गए। पुलिस आयुक्त बी दयानंद और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सतीश कुमार एवं चन्द्रगुप्ता ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को नेपाल से गिरफ्तार किया है वहीं घर में काम करने वाले दम्पत्ति की पुलिस अभी तलाश कर रही है।

कर्नाटक में नौ सरकारी अधिकारियों के 40 ठिकानों पर लोकायुक्त की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में नौ सरकारी अधिकारियों से जुड़े 40 ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की। आधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेलगावी, हावेरी, दावणगेरे, कलबुर्गी, मैसुरु, रामनगर और धारवाड़ सहित कई जिलों में इन अधिकारियों से जुड़े 40 ठिकानों पर छापेमारी की गई।

सूत्रों के अनुसार, जिन अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की गई, उनमें हावेरी स्थित महिला एवं बाल कल्याण विभाग के उप निदेशक श्रीनिवास, दावणगेरे स्थित वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सहायक निदेशक कमलराज पी एच, बेलगावी स्थित वाणिज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त वेंकटेश एस मजूमदार और मैसूरु सिटी कॉर्पोरेशन के जनसंपर्क अधिकारी नागेश डी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने दस्तावेजों, संपत्तियों और कीमती सामान की जांच की।

सरकार ने सीआईएसएफ में पहली महिला रिजर्व बटालियन को मंजूरी दी

बेंगलूरु/नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर बल की बढ़ती तैनाती को ध्यान में रखते हुए सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) में 1,000 से अधिक कर्मियों वाली पहली महिला रिजर्व बटालियन को मंजूरी दी है। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस इकाई का गठन बल की स्वीकृत जनशक्ति में से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ में लगभग दो लाख स्वीकृत कर्मी हैं।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस सप्ताह एक मंजूरी आदेश जारी किया, जिसमें एक वरिष्ठ कमांडेंट रैंक अधिकारी के नेतृत्व में कुल 1,025 कर्मियों के साथ बल में एक विशेष महिला रिजर्व इकाई को मंजूरी दी गई। सीआईएसएफ के अंतर्गत वर्तमान में 12 रिजर्व बटालियन हैं।

बैठक

मंगलवार को बेंगलूरु के गांधी भवन में कर्नाटक के किसान संगठनों के एकीकरण की बैठक के दौरान विधायक दर्शन पुट्टन्नैया और किसान नेता।

केरल के चेलक्कारा में विधायक अनवर की प्रेस वार्ता को निर्वाचन आयोग ने एमसीसी का उल्लंघन बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल के चेलक्करा विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को उस समय नाटकीय दृश्य देखने को मिला, जब निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने निर्दलीय विधायक पीवी अनवर को उनकी प्रेस वार्ता के बीच में ही इसे रोकने के लिए नोटिस दिया, क्योंकि यह आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन थी। हालांकि, अनवर ने नोटिस पर अमल करने से इनकार कर दिया। चेलक्करा विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा।

सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अनवर के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगाने के बाद उनसे संबंध तोड़ दिए थे। उन्होंने पुलिस पर प्रेस वार्ता को रोकने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए इसकी शुरुआत की। मलप्पुरम जिले के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक अनवर ने पूछा कि विजयन क्यों डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि डराने-धमकाने की रणनीति उन्हें नहीं रोक पाएगी। अनवर की प्रेस वार्ता के कुछ देर बाद एक चुनाव अधिकारी पुलिस के साथ वहां पहुंचे और उन्हें नोटिस सौंपते हुए कार्यक्रम रोकने को कहा। हालांकि, हाल ही में डेमोक्रेटिक मूवमेंट ऑफ केरल' (डीएमके) की स्थापना करने वाले अनवर ने सवाल किया कि नोटिस किस आधार पर जारी किया गया है। उन्होंने अधिकारी से कानून के उस प्रावधान के बारे में बताने को कहा, जो प्रेस वार्ता आयोजित करने पर रोक लगाता है।

अधिकारी ने अनवर को बताया कि आदर्श आचार संहिता के अनुसार मतदान के 48 घंटे पहले से चुनाव संबंधी आयोजनों के प्रसारण पर रोक लग जाती है, और उनकी प्रेस वार्ता इसी प्रावधान का उल्लंघन है। हालांकि, अनवर ने अधिकारी की बात नहीं सुनी और कानून के उस प्रावधान के बारे में पूछते रहे, जो प्रेस वार्ता आयोजित करने पर रोक लगाता है। इसके बाद अधिकारी वहां से चले गए। अधिकारी के जाने पर अनवर ने कहा कि निर्वाचन आयोग सभी तीन प्रमुख गठबंधनों-एलडीएफ, यूडीएफ और राजग-के उम्मीदवारों द्वारा चुनाव नियमों के कथित उल्लंघन पर चुप था, जबकि उन्होंने प्रति उम्मीदवार 40 लाख रुपये की सीमा से कहीं अधिक खर्च किया था। निर्दलीय विधायक ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में आयोग से शिकायत की है। वहीं, चुनाव अधिकारी ने आयोजन स्थल के बाहर संवाददाताओं को बताया कि अनवर को नोटिस दिया गया है और उनके इसका अनुपालन करने से इनकार करने के बारे में आयोग को सूचित कर दिया गया है। अधिकारी ने कहा, जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। आदेश जारी करने में समय लगेगा। कृपया इंतजार करें। इसके बाद वह पुलिस के साथ आयोजन स्थल से चले गए।

हालांकि, जो कुछ हुआ उससे बेपरवाह दिखाई देते हुए अनवर ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में मानव-पशु संघर्ष सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी प्रेस वार्ता जारी रखी।

केरल में कांग्रेस और वाम सरकार वक्फ भूमि मामले में जनता को गुमराह कर रहीं : भाजपा

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुनंबम और केरल के अन्य हिस्सों में वक्फ बोर्ड द्वारा जमीनों पर किये गए दावों को लेकर कांग्रेस और वाम सरकार के खिलाफ हमला तेज करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि दोनों पक्ष प्रभावित लोगों से झूठे वादे' कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि वे इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावडेकर ने कहा कि अगर कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) वास्तव में स्थायी समाधान चाहते हैं, तो उन्हें संसद में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का समर्थन करना चाहिए।जावडेकर ने सोशल मीडिया मंच पर जारी एक पोस्ट में दावा किया कि वर्तमान वक्फ अधिनियम 1995 ने वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ भूमि घोषित करने का असीमित अधिकार दिया है। माकपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एर्णाकुलम जिले के मुनंबम में प्रदर्शनकारियों को सोमवार को आश्वासन दिया था कि किसी को भी उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। माकपा सरकार के बयान के एक दिन बाद जावडेकर ने कहा, अगर यूडीएफ और एलडीएफ वाकई स्थायी समाधान चाहते हैं तो उन्हें राजग सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करना चाहिए। इससे वक्फ बोर्ड की मनमानी शक्तियां खत्म हो जाएंगी और पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी। भाजपा नेता ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा,यदि आप विधेयक का समर्थन नहीं कर रहे हैं तो आप मुनंबम और केरल के असहाय लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में दो ड्राइवरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका क्षेत्र में एयरपोर्ट रोड पर हुए एक श्रृंखलाबद्ध सड़क दुर्घटना में दो की मौत हो गई वहीं एक अन्य घायल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लेगेसी अपार्टमेंट के सामने फ्लाईओवर पर यह घटना घटी। मंगलवार को अल्ल सुबह एक इनोवा कार को सीमेन्ट लॉरी ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज्यादा नहीं थी। इनोवा कार के ड्राइवर जगदीश (40) और लॉरी चालक कुलदीप कुमार (42) में बहसबाजी हो गई। दोनों वहां खड़े होकर बहस कर रहे थे। उसी समय एयरपोर्ट जाने वाली वोल्वो बस ने वहां खड़े सीमेन्ट ट्रक को जोर से पीछे से टक्कर दे मारी।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त पंबन में दो दिवसीय सांविधिक निरीक्षण करेंगे

चेन्नई। रेलवे सुरक्षा आयुक्त, दक्षिणी सर्किल, बेंगलूरु ए.एम. चौधरी 13 और 14 नवंबर को पंबन-मंडपम सेक्शन में वैधानिक निरीक्षण करेंगे। 13 नवम्बर को रेलवे सुरक्षा आयुक्त मंडपम और पंबन हॉल्ट स्टेशनों के बीच नए ब्रॉड गेज ट्रैक (सिंगल लाइन) सहित नए पंबन ब्रिज (पुल संख्या 346 का पुनर्निर्माण) का वैधानिक निरीक्षण करेंगे। सीआरएस 14 नवंबर को न्यू पंबन ब्रिज पर वर्टिकल लिफ्ट गर्डर स्पैन के कामकाज, लॉकिंग और सेंटरिंग व्यवस्था की भी समीक्षा करेंगे।

पेंशन निधि विनियामक और प्राधिकरण
ई-500, टावर ई, पांचवीं मंजिल, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029

एनपीएस न्यास के बोर्ड में एक न्यासी की नियुक्ति

न्यास के बोर्ड में न्यासी के रूप में नियुक्ति के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिनका कार्यकाल नियुक्ति की तारीख से तीन साल तक की अवधि के लिए होगा, जिसमें केवल दो वर्ष तक का कार्यावधि के विस्तार का प्रावधान है। न्यासी की कार्यावधि के लिए अधिकतम आयु सीमा सत्तर वर्ष निर्धारित की गई है। सभी न्यासी प्राधिकरण द्वारा समय समय पर निर्धारित न्यासी बैठक हेतु बैठक शुल्क एवं न्यासी बैठक हेतु अन्य खर्चों जैसे यात्रा शुल्क एवं यात्रा के दौरान प्रवास शुल्क आदि के लिए पात्र हैं।

इस पद पर नियुक्त के लिए विस्तृत सूचना, पीएफआरडीए (एनपीएस न्यास) विनियम, 2015 और न्यासियों की नियुक्ति के लिए दिशा-निर्देश पीएफआरडीए की वेबसाइट www.pfrda.org.in पर उपलब्ध हैं।

आवेदन प्राप्ति की अंतिम तारीख **12 दिसम्बर 2024 है।**

अधोहस्ताक्षरी/-
मुख्य महाप्रबंधक
विनियमन विभाग-निधि प्रबंधन (एनपीएस न्यास)
CBC 15102/12/0002/2425

राजस्थान निवेश के लिए सबसे अनुकूल राज्य, निवेशकों को सभी सुविधाएं देने के लिए संकल्पबद्ध है राज्य सरकार : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान निवेश के लिए देश का सबसे अनुकूल राज्य है। प्रदेश सरकार अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है। राज्य सरकार का संकल्प है कि कंपनियों के साथ सिर्फ एमओयू नहीं किए जाएंगे, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर राज्य का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। कर्नल राठौड़ मंगलवार को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के संदर्भ में जयपुर स्थित होटल आईटीसी राजपूताना में 'आईटी और स्टार्टअप प्री-समिट' में बतौर मुख्य अतिथि अपना संबोधन दे रहे थे। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और भारतीय उद्योग परिसंघ के तत्वावधान में आयोजित हुए इस प्री-समिट में तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में 43 कंपनियों के साथ 6052 करोड़ के निवेश करारों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही डिजिटल राजस्थान यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा और 145 स्टार्टअप को दिए जाने वाले 5.65 करोड़ रुपए की फंडिंग के चेक की प्रतिकृति का अनावरण भी किया गया।

मुख्य सत्र को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है और इसमें निवेश की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस साल में भारत की छवि काफी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के संबंध में जिस भी देश की यात्रा की है, वहां से उन्हें काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने निवेशकों से राजस्थान के आईटी एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि राजस्थान ऐसा राज्य है, जो देश में रेलवे के मामले में दूसरे स्थान पर, सड़क नेटवर्क के मामले में तीसरे स्थान पर है और यहां वर्ष में 320 दिन खुला मौसम रहता है। साथ ही, रिन्यूएबल एनर्जी और पर्यटन के मामले में भी राज्य पहले स्थान पर है। इसी वजह से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की शासन सचिव श्रीमती अर्चना सिंह ने प्री-समिट की भूमिका बताते हुए कहा कि विभाग राजस्थान के 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन' में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विभाग के आईस्टार्ट, आरकेट एवं अटल इनोवेशन स्टूडियो जैसे नवाचारों की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग नागरिक सेवाओं के संदर्भ में डेटा प्राइवेसी और सिक्योरिटी को सुनिश्चित करने के मामले में भी अग्रणी है। उन्होंने निवेशकों को सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

पहले सत्र में 'बिल्डिंग राजस्थान एज एन आईटी एंड इनोवेशन हब' विषय पर तकनीकी विशेषज्ञों ने विचारविमर्श किया। डाटा इंजिनियर्स ग्लोबल लिमिटेड के सीईओ अजय डाटा ने सत्र का संचालन करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत तेजी से विकसित हो रही है। बीआईएसआर के ईडी प्रोफेसर पूर्णेंदु घोष ने कहा कि भारतीय विद्यार्थी प्रतिभा के धनी हैं। उन्हें उचित प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है। थ्रिलोफिलिया की सह-संस्थापक सुचित्रा गुरनानी डागा ने भी स्टार्टअप की सफलता के लिए इकोसिस्टम और टेलेंट पूल को आवश्यक माना।

मेटाक्यूब सॉफ्टवेयर के सह-संस्थापक पारिजात अग्रवाल ने कहा कि तकनीकी जिस तरह स्वरूप ले रही है, उसे देखते हुए पारदर्शिता और विनियमन का महत्व बढ़ गया है। सेंटर फॉर एंटरटेनमेंट आर्ट्स के सह-संस्थापक दिवाकर गांधी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ एथिक्स को जोड़ने का सुझाव दिया। मुख्य सत्र में गिरनार सॉफ्टवेयर (कारदेखो) के सह-संस्थापक अनुराग जैन, प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी और एनवीडिया के निदेशक, दक्षिण एशिया गणेश महाबला ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

मुख्य सत्र में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की गरिमामयी उपस्थिति में तकनीकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 43 कंपनियों के साथ 6052.09 करोड़ रुपए के निवेश करारों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर उन्हें हस्तांतरित किया गया। राजस्थान में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए वित्तीय, शैक्षणिक संस्थाओं और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन एमओयू से राजस्थान में तकनीक और नवाचार के क्षेत्र को नई ऊंचाई मिलेगी।

इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने डिजिटल राजस्थान यात्रा की वेबसाइट को लॉन्च किया और डिजिटल राजस्थान यात्रा 2024 को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और आईस्टार्ट के सहयोग से इंक42 की पहल है, जिसका उद्देश्य राजस्थान में आमजन और और स्थानीय व्यवसायों के जीवन पर इंटरनेट और प्रौद्योगिकी के असर को उजागर कर डिजिटल राजस्थान की छवि को प्रस्तुत करना है।

कैबिनेट मंत्री मीणा के समझाने पर टंकी से नीचे उतरे युवक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा2021 रद्द करने की मांग को लेकर यहां पानी की एक टंकी पर चढ़े दो युवक मंगलवार को कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के समझाने और आश्वासन देने के बाद नीचे उतर आए। मीणा मंगलवार को दोपहर में हिम्मतनगर में पानी की टंकी यानी ओवरहैड टैंक के पास पहुंचे और लाउडस्पीकर से दोनों युवकों को अपना आंदोलन समाप्त कर नीचे आने को कहा। लेकिन युवकों ने कहा बाबा (मंत्री मीणा) आप ही ऊपर आ जाओ।

इसके बाद मीणा ने टंकी पर चढ़कर युवकों से बात करने की इच्छा जताई। तत्काल सीढ़ी मंगवाई गई और मीणा अपने दो सुरक्षाकर्मियों की मदद से टंकी की सीढ़ियों पर चढ़ गए। यह देख दोनों युवक भी थोड़ा नीचे उतरे और मीणा के पैर छुए। इसके बाद तीनों ऊपर गए, चर्चा की और आंदोलन समाप्त करने का फैसला किया। इसके बाद मीणा तथा बाकी लोगों को नीचे लाने के लिए हाइड्रोलिक मशीन बुलाई गई। युवकों ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि उन्हें मीणा की बातों पर भरोसा है। मंत्री ने कहा, मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि मैं उन्हें मुख्यमंत्री से मिलवाऊंगा। मैं 14 नवंबर को मुख्यमंत्री से मिलूंगा और युवकों की मांग उनके सामने रखूंगा। उल्लेखनीय है कि पुलिस उप निरीक्षक (एसआई) परीक्षा-2021 को रद्द करने की मांग को लेकर लादूराम चौधरी (35) और विकास बिधूड़ी (34) रविवार दोपहर को हिम्मत नगर इलाके में एक ओवरहेड पानी की टंकी की सीढ़ी से ऊपर चढ़ गए थे। जैसे ही दूसरे बेरोजगार युवाओं को यह खबर मिली, वे युवाओं के साथ एकजुटता दिखाते हुए मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान पुलिस ने उस जगह को घेर लिया और टंकी के चारों ओर जाल लगा दिया। स्थिति को संभालने के लिए एसडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई। इससे पहले मौके पर पहुंचे मीणा ने संवाददाताओं से कहा, मैं दौसा में उपचुनाव के प्रचार के बीच यहां आया हूं, क्योंकि दो युवक 50 घंटे से अधिक समय से टंकी पर हैं। उन्होंने खाना नहीं खाया है और उनके पास पानी भी नहीं है। मैंने उनसे नीचे उतरने का अनुरोध किया है।

मीणा ने कहा कि विकास बिधूड़ी और लादूराम एसआई भर्ती परीक्षा पास नहीं कर पाए क्योंकि वे क्रमश: सात और तीन अंक की कमी के कारण चयन सूची से बाहर हो गये। उन्होंने कहा, उन्होंने कड़ी मेहनत की, लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान प्रश्नपत्र माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कर दिए। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के तीन चेयरमैन भी प्रश्नपत्र लीक में शामिल थे। मैंने पूर्व सरकार को सबूत दिए थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

मीणा ने कहा कि वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर 50 प्रशिक्षु उप निरीक्षक और अन्य माफिया को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक मामलों की जांच कर रहे स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), महाधिवक्ता और मंत्रिमंडल की उप समिति ने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की सिफारिश की है।

सात सीट पर मतदान आज, परिणामों पर सबकी नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा की सात सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। इन उपचुनाव के परिणाम से राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की स्थिरता पर भले ही कोई असर नहीं हो फिर भी परिणामों पर सबकी निगाह रहेगी क्योंकि कई सीट इस बार त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी हैं। राज्य की झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़ विधानसभा सीट पर मतदान बुधवार सुबह सात बजे शुरू होकर शाम छह बजे तक जारी रहेगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

राज्य विधानसभा में संख्या बल को देखते हुए इन उपचुनाव के परिणामों से मौजूदा भाजपा सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, इन उपचुनाव को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के लिए बड़ी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जबकि लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बहुत निराशाजनक रहा। लोकसभा चुनाव में भाजपा को राज्य की 25 में से 11 सीट पर हार का सामना करना पड़ा था।

इसके साथ ही इन उपचुनाव में कांग्रेस के साथ-साथ हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और राजकुमार रोत की भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) को भी अपने-अपने राजनीतिक गढ़ों को बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में विधानसभा की जिन सात सीटों पर उपचुनाव हो रहा है उनमें चार पर पहले कांग्रेस का कब्जा था जबकि एक-एक सीट भाजपा, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के पास थी।

खींवसर सीट पर भाजपा के रेवंतराम डांगा, कांग्रेस की रतन चौधरी और आरएलपी की कनिका बेनीवाल के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। कनिका, सांसद हनुमान बेनीवाल की पत्नी हैं। भाजपा ने रेवंत राम डांगा पर भरोसा जताया है जिन्होंने पिछले साल इस सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हनुमान बेनीवाल से 2059 मतों से हार गए थे। बेनीवाल के बाद में सांसद चुने जाने पर यह सीट खाली हो गई। भाजपा ने एक बार फिर डांगा को टिकट दिया है।

डांगा कभी बेनीवाल के करीबी सहयोगी थे लेकिन बाद में कथित तौर पर उपेक्षित होने के बाद अलग हो गए और भाजपा का दामन थाम लिया। जाट बहुल इस सीट पर तीनों पार्टियों के नेता जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। राज्य की एक और जाट बहुल सीट झुंझुनू पर भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र भांभू और कांग्रेस के अमित ओला के बीच सीधा मुकाबला माना जा है। अमित इस साल लोकसभा चुनाव जीतने वाले बृजेंद्र ओला के बेटे हैं। अमित के दादा कांग्रेस के दिग्गज जाट नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला थे। अमित इस उपचुनाव के जरिए ओला परिवार की राजनीतिक विरासत को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र सिंह गुढ़ा भी इस सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उपचुनाव लड़ रहे हैं। आदिवासी बहुल चौरासी सीट पर भाजपा और बीएपी उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर मानी जा रही है। यह सीट विधायक राजकुमार रोत के सांसद चुने जाने के कारण खाली हुई थी। देवली-उनियारा और दौसा सीट पर भी भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला माना जा रहा है। हालांकि कांग्रेस के बागी नरेश मीणा ने देवली-उनियारा में मुख्य विपक्षी पार्टी के सामने चुनौती खड़ी कर दी है।

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के भाई जगमोहन दौसा सीट से उपचुनाव में कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। रामगढ़ और सलूंबर विधानसभा सीट तत्कालीन विधायकों (रामगढ़ में कांग्रेस के जुबेर खान और भाजपा के अमृत लाल) के निधन के बाद खाली हुई हैं। दोनों ही पार्टियों ने मतदाताओं की सहानुभूति की उम्मीद में उनके परिजनों को टिकट दिया है। वहीं, प्रशासन मतदान शांतिपूर्वक कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार को मतदान के दिन सुरक्षा के लिए नौ हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।

जापानी कंपनी निडैक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष हिरोशी कोबे ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की मुलाक़ात, राइज़िंग राजस्थान को मिलेगी नई ताकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जापान की मशहूर कंपनी निडैक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं संस्थापक हिरोशी कोबे, प्रबंध निदेशक कैजी ओशिमा और सलाहकार मसाहिरो मियूरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाक़ात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त निवेश से संबंधित गहन चर्चा हुई, जिससे प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलने की संभावना है।

मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने राजस्थान में निवेश के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया। निडैक कॉर्पोरेशन द्वारा अतिरिक्त निवेश की घोषणा से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे, जिससे राइज़िंग राजस्थान को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस मुलाक़ात में प्रदेश में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सार्थक चर्चा की गई, जिससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिलने की उम्मीद है।

पवित्र पुष्कर सरोवर में देव उठनी एकादशी से शुरू हुआ धार्मिक स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर में चल रहे अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला-24 में मंगलवार को देव उठनी एकादशी से 'धार्मिक स्नान' शुरू हुआ। पवित्र पुष्कर सरोवर में ब्रह्म मुहूर्त में अल सुबह से शुरू हुए स्नान में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डूबकी लगाकर पुण्य कमाया। एकादशी के मौके पर 'आध्यात्मिक यात्रा' भी निकाली गई। जिसने 'कौमी-एकता' का संदेश दिया। पुष्कर के पवित्र सरोवर के सभी 52 घाटों पर मध्यरात्रि बाद से ही श्रद्धालुओं का धार्मिक एकादशी स्नान के लिए जमघट लगना शुरू हो गया और अलसुबह ब्रह्म मुहूर्त में एकादशी का स्नान शुरू हुआ जो शाम तक चलेगा।

स्थानीय तीर्थपुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सरोवर की पूजा अर्चना कर 'कार्तिक पंचतीर्थ स्नान' का आगाज किया। घाटों पर महिला-पुरूष, बुजुर्ग-बच्चों के स्वर सुनाई दे रहे थे। नगर परिषद प्रबंधन ने सरोवर में गहरे पानी को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। सिविल डिफेंस के कार्मिकों मौजूद रहे तथा पानी में गहराई से सावधानी के लिए लालझंडे भी लगाए गये।

कार्तिक एकादशी के पवित्र दिन आज प्रशासन के सहयोग से आध्यात्मिक यात्रा भी निकाली गई। यात्रा में दर्जनों संतों-महंतों तथा तीर्थ पुरोहित ने शिरकत की। यात्रा पुष्कर गुरूद्वारे से शुरू होकर नये रंगजी मंदिर, वराह घाट,सदर बाजार, गऊघाट, ब्रह्मघाट के रास्ते बाजारों में घूमती हुई मेला मैदान पहुंची। यात्रा में सेनभक्ति पीठ के पीठाधीश्वर अंचलानंदजी महाराज, रमैयाराम आश्रम के महंत प्रेमानंद जी महाराज, रामसखा आश्रम पीठाधीश्वर नंदराम शरणजी अन्य मठों के महंत चल रहे थे। पहली बार खास बात ये रही कि आध्यात्मिक यात्रा का अजमेर दरगाह से जुड़े 25 खादिमों के सदस्यों ने पुष्प वर्षा कर कौमीएकता की मिसाल पेश की। खादिमों का नेतृत्व अंजुमन सदर सैयद गुलाम किबरिया ने किया।

उदयपुर में ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर डंडे से हमला, आरोपी युवक की तलाश जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। शहर के पारस चौराहे पर मंगलवार को एक घटना ने पुलिस प्रशासन को हिला दिया। एक युवक ने ट्रैफिक पुलिस के होमगार्ड के साथ गुस्से में आकर डंडे से हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब होमगार्ड ने आरोपी युवक को अपनी वैन के कागजात दिखाने को कहा था। हालांकि, कागजात दिखाने की बात पर युवक इतना भड़क गया कि उसने न केवल पुलिसकर्मी से बहस की, बल्कि वैन से डंडा निकालकर पुलिसकर्मी पर बेरहमी से हमला कर दिया। इस हमले के दौरान होमगार्ड को मुंह और हाथ में गंभीर चोटें आईं। पुलिसकर्मी की सुरक्षा के लिए आस-पास के लोगों ने बीच-बचाव किया, लेकिन आरोपी युवक की हिंसा पर कोई असर नहीं पड़ा। युवक लगातार होमगार्ड पर डंडे बरसाता रहा। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें आरोपी युवक होमगार्ड को बेरहमी से मारते हुए दिखाई दे रहा है।

आरोपी युवक की पहचान कुमेल उर्फ सैयद जोएब के रूप में हुई है, जो कि किशनपोल क्षेत्र का निवासी है। सूरजपोल थाने में होमगार्ड मानसिंह की शिकायत पर मारपीट और राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। ट्रैफिक पुलिस डिप्टी अशोक आंजना ने इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी युवक पारस चौराहे से अपनी वैन लेकर गुजर रहा था। उस वक्त ट्रैफिक पुलिस के होमगार्ड मानसिंह ने उसे रोका और वाहन के जरूरी कागजात दिखाने को कहा। कागजात मांगने पर युवक भड़क गया और तुरंत ही बहस शुरू कर दी। इस बीच, युवक ने अपनी वैन में रखे डंडे को बाहर निकाला और होमगार्ड पर हमला करना शुरू कर दिया।

सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह चौहान ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ मारपीट और राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घटना का वीडियो सामने आने के बाद आरोपी की पहचान में कोई कठिनाई नहीं हो रही है और पुलिस उसे जल्द गिरफ्तार करेगी।

परजीवी पार्टी बन चुकी है कांग्रेस : मेघवाल

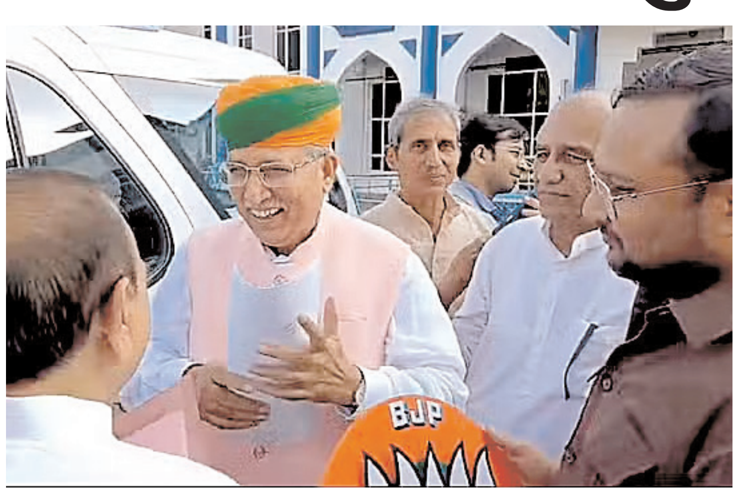

जोधपुर/दक्षिण भारत । केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मंगलवार को जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में कल सात सीटों पर उपचुनाव में होने वाले मतदान को लेकर हम सकारात्मक हैं। सभी सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भाजपा की ओर से चुनाव आयोग को शिकायत देने के सवाल पर केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी गुजरात में निवेश को लेकर गलत प्रचार कर रहे हैं। जहां पर उद्योगपतियों को निवेश के सकारात्मक पहलू नजर आएंगे वहीं वे निवेश करेंगे। महाराष्ट्र का निवेश गुजरात में जाना इस तरह के बयान देना दो राज्यों के लोगों को लड़ने जैसा है। आपसी सद्भाव बिगाड़ में जैसा है संविधान की किताब कोई खिलौना नहीं, जिसे हवा में लहराया जाए। राहुल गांधी आदतन इस तरह के बयान देने की आदी हो चुके हैं। उनके ऊपर चुनाव आयोग के नोटिस का कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। ऐसे में भारतीय न्याय संहिता में 353 धारा के तहत उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

राहुल गांधी की ओर से सरकारी नौकरियों में दलित समाज की भूमिका कम होने के आरोप पर कानून मंत्री ने कहा कि दलित समाज को बरगलाने और भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। उनकी मनमोहन सरकार ने कितने दलित लोगों को नौकरी दी। दलित समाज ने हरियाणा के विधानसभा चुनाव में उन्हें आईना दिखाया है। अब महाराष्ट्र चुनाव में भी आइना दिखाएंगे।

नोएडा हवाई अड्डे पर परीक्षण उड़ान 15 नवंबर से

नोएडा/भाषा। एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन बाद परीक्षण उड़ान शुरू हो जाएगी। 15 नवंबर से शुरू होने वाला यह परीक्षण करीब एक माह तक चलेगा और इस दौरान विमानों के उतरने और उड़ान भरने का सिलसिला जारी रहेगा।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि हवाई अड्डे पर एयरक्राफ्ट बीच किंग एयर 360 ईआर के जरिये 10 से 14 अक्टूबर तक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग प्रणाली की जांच की गई थी। वहीं हवाई अड्डे पर कैट-वन और कैट-3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं, जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं। सूत्रों के अनुसार, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उपकरणों का निरीक्षण भी किया है। उड़ान के लिए जरूरी लाइसेंस का आवेदन और रनवे का परीक्षण 15 नवंबर से शुरू हो जाएगी।

उप्र: आंदोलन के दूसरे दिन भी डटे छात्र, अभाविप ने पक्ष में आवाज उठायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस 'प्री' और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में सोमवार को शुरू हुआ छात्र आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी है। देर रात जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त ने आयोग में बैठक की, जो बेनतीजा रही।

आंदोलनरत छात्रों ने रात खुले आसमान के नीचे गुजारी और मंगलवार की सुबह फिर से धरना प्रदर्शन में जुट गए। जो छात्र छात्राएं रात में अपने घर चले गए थे, वे मंगलवार सुबह आयोग के गेट पर पुन: एकत्रित हो गए और आंदोलन शुरू कर दिया। इस बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने छात्रों के पक्ष में आवाज उठाते हुए परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापन एवं निर्धारण, नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण), परीक्षाओं को दो पाली में करवाने एवं परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने हेतु आयोजन संबंधी विषयों पर अभ्यर्थियों से बातचीत करके शीघ्र सकारात्मक उचित कदम उठाने की मांग की है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सोमवार रात एक बयान जारी करके कहा था, परीक्षाओं की शुचिता और छात्रों के भविष्य को संरक्षित करने के उद्देश्य से परीक्षाएं

केवल उन केंद्रों पर कराई जा रही हैं, जहां किसी प्रकार की गड़बड़ियों की कोई संभावना नहीं है। पूर्व में दूर-दराज के परीक्षा केंद्रों में कई प्रकार की गड़बड़ियां संज्ञान में आयी हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। आयोग ने बयान में कहा कि परीक्षाओं के संबंध में अभ्यर्थियों ने आयोग को पत्र भेजकर बताया है कि कुछ टेलीग्राम चैनल एवं यू ट्यूबर्स द्वारा परीक्षा को टलवाने की साजिश की जा रही हैं। प्रतियोगी छात्रों ने सोमवार सुबह से यहां लोक सेवा आयोग के गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। दिन ढलने के साथ हजारों की संख्या में छात्रों ने मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर एकता दिखाई। इससे पूर्व, पुलिसकर्मियों ने छात्रों को गेट नंबर दो की तरफ आने से रोका, लेकिन भारी संख्या में छात्र छात्राओं की भीड़ बैरिकेड को पार करते हुए गेट के पास पहुंची और धरने पर बैठ गई। पुलिस ने छात्रों को तितर बितर करने के लिए उन्हें खदेड़ा, लेकिन आंदोलनरत छात्र फिर एकत्रित हो गए। लोक सेवा आयोग के गेट के सामने धरने पर बैठे छात्रों के हाथों में अलग अलग नारे लिखी तख्तियां थीं, जिसमें किसी में लिखा था बटेंगे नहीं, हटेंगे नहीं, न्याय मिलने तक एक रहेंगे, तो किसी में लिखा था, एक दिन, एक परीक्षा।

'योगी बनाम प्रतियोगी छात्र' हुआ माहौल, नौकरी भाजपा के एजेंडे में नहीं: अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस प्री और आरओ-एआरओ परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में जारी छात्र आंदोलन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि माहौल 'योगी बनाम प्रतियोगी छात्र' हो गया है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलिस अधिकारी संयमित व्यवहार करें और छात्रों पर बल प्रयोग ना करें। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने मंगलवार को पूछा कि 'क्या उप्र के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस समेत अन्य विशिष्ट परीक्षाएं दो दिन में करानी पड़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हर अभ्यर्थी, हर छात्र, हर युवा की जुबान पर जो बात है वह यह है कि नौकरी भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे में है ही नहीं। उन्होंने चलवाया लाठी-डंडा, नौकरी नहीं जिनका एजेंडा। अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा के लोग जनता को रोजी-रोटी के संघर्ष में उलझाए रखने की राजनीति करते हैं ताकि भाजपाई सांप्रदायिक राजनीति की आड़ में भ्रष्टाचार करते रहें। सालों साल रिक्तियां या तो निकलती ही नहीं है या फिर परीक्षा की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है।

उपराष्ट्रपति ने नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों और दायित्वों के बीच संतुलन पर जोर दिया

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्र को ''सबसे बड़ा धर्म'' करार देते हुए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि नागरिकों को अपने संवैधानिक अधिकारों को दायित्वों से संतुलित करना चाहिए। धनखड़ ने उज्जैन में 66वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह के उद्घाटन समारोह में कहा, कोई भी समाज और देश इस आधार पर नहीं चल सकता कि हम (केवल) अधिकारों पर जोर दें। हमारे संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं, पर हमें इन अधिकारों को अपने दायित्वों से संतुलित करना होगा। उप राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र, सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे राष्ट्र को हमेशा सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य निभाएं और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में योगदान करें।

धनखड़ ने कहा कि कुटुम्ब प्रबोधन देश के चरित्र में है और नागरिकों को अपने आस-पास रहने वाले लोगों के सुख-दुःख की सुध लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की सामाजिक समरसता को जगह-जगह से चुनौतियां दी जा रही हैं और सामाजिक समरसता बरकरार रखने की सख्त आवश्यकता है। धनखड़ ने महाकवि कालिदास को याद करते हुए उन्हें ''समग्र कवि समुदाय का कुलगुरु'' बताया। उन्होंने कहा कि कालिदास की ''अभिज्ञान शाकुन्तलम्, मेघदूतम्'', कुमार संभवम्'' और ''ऋतु संहार'' और ''मालविका अग्निमित्रम्'' सरीखी अमर कृतियों में मानवीय भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। धनखड़ ने कहा,''आज की ज्वलंत समस्या पर्यावरण की है। महाकवि कालिदास की रचनाओं से हमें बोध होता है कि पर्यावरण का संरक्षण हमारे अस्तित्व के लिए अहम है। उप राष्ट्रपति ने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि हमारे पास पृथ्वी के अलावा कोई दूसरा स्थान रहने के लिए नहीं है। धनखड़ ने कहा कि दुनिया में भारत के अलावा दूसरा कोई भी देश नहीं है जिसके पास इतनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हो।

महाराष्ट्र, झारखंड में मतदान से पहले कांग्रेस कर रही है तुष्टिकरण की राजनीति: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि आगामी महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में हार सुनिश्चित देख कांग्रेस मुस्लिम समुदाय के विभाजनकारी तत्वों के साथ साजिश रच रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य घटक दल वोट हासिल करने के लिए मुसलमानों को खुश करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी वोटों की खातिर मुस्लिम समुदाय के सभी रूढ़िवादी और विभाजनकारी तत्वों के साथ मिलकर षड्यंत्र कर रही है क्योंकि विधानसभा चुनावों में अपनी हार को लेकर वह आशंकित हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जब कहते हैं कि 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' तो वे (कांग्रेस) इसका मजाक उड़ाते हैं और निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाते हैं। भाजपा सांसद ने संविधान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रुख पर भी सवाल उठाया और धर्म के आधार पर आरक्षण के प्रति उनकी पार्टी के दृष्टिकोण की आलोचना की।

भाजपा कांग्रेस की तरह भेदभाव नहीं करती : नड्डा

मोदी मंत्रिमंडल में हैं 27 ओबीसी मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमुआ (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर पिछड़े समुदाय का विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा जाति, पंथ या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करती है। झारखंड के गिरिडीह जिले के जमुआ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी मंत्रियों को शामिल किया।

नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व मानचित्र पर एक सुनहरे स्थान के रूप में उभरने के बाद उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा, भाजपा कांग्रेस की तरह भेदभाव नहीं करती। कांग्रेस पिछड़ों का विरोध करती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उनकी मंत्रिपरिषद में 27 ओबीसी मंत्री हैं। नड्डा ने कहा कि झारखंड में सत्ता में आने पर भाजपा अन्य जातियों के आरक्षण को प्रभावित किए बिना ओबीसी आरक्षण को मौजूदा 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार आदिवासियों के अधिकारों को छीनने वाली सरकार है। उन्होंने कहा, (मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन जमानत पर हैं और कभी भी जेल जा सकते हैं, ऐसी ताकतों को अलविदा कहें। राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा को वोट दें।

संविधान को खत्म करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं भाजपा और आरएसएस: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंदिया (महाराष्ट्र)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संविधान को खत्म करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि वह 'गारंटी' के साथ कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अन्यथा वह उसमें लिखी बातों का सम्मान करते।

कांग्रेस नेता गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित गोंदिया में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

गांधी ने कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूछना चाहिए कि पिछले 10 सालों में उन्होंने कितने किसानों का ऋण माफ किया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में यदि विपक्षी महा विकास आघाडी की सरकार सत्ता में आयी तो सोयाबीन और कपास के किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम एवं गरीबों को स्वास्थ्य बीमा मिलेगा।

नोएडा : पुलिस ने ट्रक में भरकर ले जाए जा रहे गोवंशीय पशुओं को मुक्त कराया, तीन गायें मृत मिलीं

नोएडा(उप्र)/भाषा। नोएडा में पुलिस ने एक ट्रक में कथित रूप से भरकर ले जाए जा रहे गोवंशीय पशुओं को मुक्त कराया और इस वाहन में तीन गायें मृत भी पायी गईं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रक में कुल 21 गोवंशीय पशु थे, जिनमें से तीन गायें मृत मिलीं और दो गायें बेहोश पाई गईं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुक्त कराए गए गोवंशीय पशुओं को गौशाला पहुंचाया और बेहोश गायों की चिकित्सा जांच की जा रही है। थाना बीटा (दो) प्रभारी निरीक्षक विद्युत गोयल ने बताया कि मंगलवार सुबह कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि एक ट्रक में गोवंशीय पशुओं को भर कर ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों ने आशंका व्यक्त की थी कि इन पशुओं को मारने के लिए ले जाया जा रहा है। गोयल ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने ट्रक को रोक लिया लेकिन वाहन चालक मौके से भाग निकला। उन्होंने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया और मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा : केंद्र ने महाराष्ट्र के चीनी उद्योग की उपेक्षा क्यों की?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उनसे पूछा कि महाराष्ट्र के चाकन औद्योगिक क्षेत्र से विनिर्माण इकाइयों का बड़े पैमाने पर पलायन क्यों हो रहा है और केंद्र ने राज्य के चीनी उद्योग की उपेक्षा क्यों की है?

मोदी की पुणे यात्रा से पहले कांग्रेस के महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री से तीन सवाल पूछे, जिनमें यह भी शामिल है कि भारतीय जनता पार्टी ने धनगर समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया है।

रमेश ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, पुणे के चाकन औद्योगिक क्षेत्र से वर्तमान में खराब बुनियादी ढांचे के कारण विनिर्माण इकाइयों का बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। वहां जारी सड़क कार्य के बावजूद, यातायात और गड्ढों वाली सड़कों की बुनियादी समस्याएं इस क्षेत्र में बनी हुई हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे न केवल बार-बार यातायात जाम की समस्या पैदा हो रही है, बल्कि दुर्घटनाओं की संख्या में भी चिंताजनक वृद्धि हो रही है, तथा महत्वपूर्ण चौराहों पर यातायात पुलिस की अनुपस्थिति ने समस्या को और बढ़ा दिया है।

रमेश ने कहा कि इससे प्रोडक्शन शेड्यूल में व्यवधान उत्पन्न हुआ है क्योंकि कारखानों तक कच्चे माल की आवाजाही और तैयार माल के परिवहन में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा, पुणे पुलिस से बार-बार शिकायत करने और महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के अधिकारियों के साथ कई बैठकों के बाद भी कोई सार्थक प्रगति नहीं हुई है।

अब, लगभग 50 विनिर्माण इकाइयां गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य राज्यों में स्थानांतरित हो गई हैं। उन्होंने पूछा कि क्या महायुति सरकार पुणे से विनिर्माण इकाइयों के इस बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के लिए कुछ कर रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार की नाकामी के कारण बड़े पैमाने पर जो नौकरियां गई हैं उसके बारे में 'नॉन बायोलॉजिकल' प्रधानमंत्री क्या कहेंगे? उन्होंने पूछा कि भाजपा ने धनगर समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया है।

रमेश ने कहा, मानव विकास सूचकांक के संकेतकों पर धनगरों की स्थिति खराब रही है, लेकिन उन्हें महायुति सरकार से कोई समर्थन नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि पिछले साल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आरक्षण की मांग से जुड़े मुद्दे के समाधान के लिए अन्य राज्यों की कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के बारे में अस्पष्ट प्रतिबद्धताएं व्यक्त की थीं, लेकिन कोई सार्थक प्रगति नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार देशव्यापी जाति जनगणना के लिए प्रतिबद्धता जताती रही है ताकि भारत में हर पिछड़ा समुदाय उन अवसरों तक पहुंच सके जिसके वे हकदार हैं।

'भारत के साथ दलहन व्यापार सहयोग को मजबूत करने का इच्छुक है रूस'

नई दिल्ली/भाषा। रूस, जो उड़द और तुअर उत्पादन में विविधता लाने पर विचार कर रहा है, भारत के साथ दलहन व्यापार सहयोग को बढ़ाना चाहता है। सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रूस के उप मंत्री मैक्सिम टिटोव के नेतृत्व में रूसी प्रतिनिधिमंडल ने उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे से मुलाकात की, जिसमें दलहन के क्षेत्र में व्यापार सहयोग बढ़ाने की संभावना पर चर्चा की गई। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बयान में कहा कि रूस हाल के दिनों में भारत के मसूर (दाल) और पीली मटर के आयात का एक प्रमुख स्रोत बनकर उभरा है। इन दो दालों के अलावा, रूस अपनी दालों के उत्पादन में उड़द और तुअर तक विविधता लाने पर भी विचार कर रहा है। भारत 30-40 लाख टन की घरेलू कमी को पूरा करने के लिए दालों के आयात पर निर्भर है। देश में दालों की उपलब्धता के बारे में सरकार ने कहा कि बेहतर खरीफ संभावना और निरंतर आयात के कारण जुलाई, 2024 से तुअर, उड़द और चना जैसी प्रमुख दालों की आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

दीपिका के दो गोल, भारत ने दक्षिण कोरिया को 3-2 से मात दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। स्ट्राइकर दीपिका ने हूटर बजने से तीन मिनट पहले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर मंगलवार को यहां दक्षिण कोरिया के खिलाफ महिलाओं की एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के मुकाबले में भारत को 3-2 से जीत दिलाई।

भारतीय महिला टीम ने पहले हाफ में संगीता कुमारी (तीसरे मिनट) और दीपिका (20वें मिनट) के गोल की मदद से 2-0 से बढ़त बनाई हुई थी लेकिन दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में शानदार वापसी करते हुए युरी ली (34वें मिनट) और कप्तान युनबी चियोन (38वें मिनट) के गोल से 2-2 से बराबरी हासिल की। दोनों टीमें 2-2 की बराबरी के बाद विजयी गोल करने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही थीं लेकिन दीपिका ने 57वें मिनट में गोल कर देश की टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत सुनिश्चित की। भारत ने सोमवार को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में मलेशिया को 4-0 से मात दी थी। मेजबान टीम अब बृहस्पतिवार को थाईलैंड से भिड़ेगी। दिन के पहले मैच में थाईलैंड और जापान ने 1-1 से ड्रॉ खेला जबकि मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन ने मलेशिया को 5-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारतीयों ने शुरू से ही आक्रामक हॉकी खेली और उनके दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कोरिया को पहले दो क्वार्टर में एक भी बार भारतीय गोल में शॉट लगाने का मौका नहीं मिला।

भारत ने प्रतिद्वंद्वी टीम के डिफेंस को दबाव में लाकर दो मैदानी गोल दाग दिए। तीसरे ही मिनट में स्ट्राइकर संगीता ने सर्कल के अंदर नवनीत कौर के शाट पर रिवर्स हिट से गोल किया। मेजबान टीम ने दबाव बरकरार रखा और उनके प्रयासों का फल 20वें मिनट में मिला जब दीपिका ने ब्यूटी डुंगडुंग के पास पर करीब से शानदार गोल किया। संगीता 24वें मिनट में अपना दूसरा गोल करने के करीब थीं लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट से बाहर चला गया। पहले हाफ में पूरी तरह भारत का दबदबा रहा। पर इसके बाद कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए 34वें मिनट में लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। युरी ली ने रिबाउंड पर गोल किया। इस गोल के बाद कोरियाई टीम ने भारत की रक्षात्मक पंक्ति पर दबाव बनाया और चार मिनट बाद कप्तान युनबी चियोन ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

दुनिया का पहला ऊंचाई पर स्थित पैरा खेल केंद्र लेह में बनेगा

लेह/भाषा। दुनिया का पहला ऊंचाई पर स्थित पैरा खेल केंद्र लद्दाख के लेह में बनाया जाएगा जिसका मकसद लॉस एंजिलिस 2028 पैरालम्पिक से पहले खिलाड़ियों में कौशल और आत्मविश्वास भरना है। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह और आदित्य मेहता फाउंडेशन के बीच इस आशय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। परिषद के मुख्य कार्यकारी काउंसिलर एडवोकेट ताशी ग्यालसन ने कहा, यह हमारे लिए काफी गर्व का पल है कि पैरा खेलों में दुनिया का पहला ऊंचाई पर स्थित केंद्र लेह में बन रहा है। भारतीय पैरा एथलीटों ने 2024 पेरिस पैरालम्पिक में 29 पदक जीते जो हमारे देश में मौजूद प्रतिभाओं की बानगी है। इस केंद्र पर तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, नेत्रहीन फुटबॉल, बोकिया, केनोइंग, साइकिलिंग, घुड़सवारी, गोलबॉल, जूडो, पावरलिफ्टिंग, नौकायन, निशानेबाजी, वॉलीबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, ट्रायथलन, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, व्हीलचेयर तलवारबाजी, व्हीलचेयर रग्बी, व्हीलचेयर टेनिस का अभ्यास किया जा सकेगा।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में होगी शमी की वापसी, मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की लगभग एक साल बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी जब वह बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेलेंगे। बंगाल क्रिकेट संघ ने यह घोषणा की।

पिछले साल 19 नवंबर को विश्व कप 2023 फाइनल के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर शमी के टखने में चोट थी जिसके लिए उन्हें आपरेशन कराना पड़ा। उनका लक्ष्य बेंगलूरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़े रिहैबिलिटेशन के बाद मैच स्थिति में मैच फिटनेस साबित करना होगा।

बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव नरेश ओझा ने बयान में कहा, भारतीय क्रिकेट टीम और बंगाल रणजी ट्रॉफी को स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बुधवार से इंदौर

में मध्य प्रदेश के खिलाफ शुरू हो रहे बंगाल के रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने से मजबूती मिलेगी।

ओझा ने कहा कि शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे और ऑस्ट्रेलिया में मौजूद भारत के थिंक टैंक की नजरें भी उनके प्रदर्शन पर टिकी होंगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ देने के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अनुभवहीन तेज गेंदबाजों पर भरोसा किया है।

मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और खलील अहमद भी रिजर्व खिलाड़ियों को शामिल हैं लेकिन इन्हें भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। शमी ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की टेस्ट शृंखला में 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 26.18 के औसत से 16 विकेट चटकाए थे।

सुविचार

सिर्फ वो लोग आपकी परवाह करते हैं, जो आपको तब भी सुन सकते हैं, जब आप चुप होते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे निर्मल होगी हवा?

इन दिनों कई शहरों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकारों द्वारा जो प्रयास किए जा रहे हैं और सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की जा रही है, उससे क्षणिक राहत तो मिलेगी, लेकिन समस्या का पुख्ता समाधान नहीं होगा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) निजी वाहनों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क दोगुना करने की योजना बना रहा है। पूर्व में केजरीवाल सरकार द्वारा 'सम-विषम' नंबरों के अनुसार वाहन चलाने की अनुमति देने का फैसला भी बहुत विवादों में रहा था। उसका नतीजा यह हुआ कि आम लोगों की मुसीबतें बढ़ीं, जबकि कई समृद्ध लोगों ने जरूरत के अनुसार सम या विषम नंबर वाले वाहन खरीद लिए थे। अब सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट्स की भरमार है, जिनमें अपील की जा रही है कि कचरा न जलाएं, पौधे लगाएं, ऐसी गतिविधियों से बचें, जिनसे पर्यावरण को नुकसान होता है। बेशक हर यह काम प्रशंसनीय है, जो पर्यावरण को जरा-सा भी फायदा पहुंचाए। बड़ा सवाल यह है कि क्या इतना कर देना पर्याप्त है? क्या पार्किंग शुल्क दोगुना करने से लोग निजी वाहनों का इस्तेमाल करना बंद कर देंगे? कचरा जलाने से पैदा हुआ धुआं पर्यावरण के लिए खतरनाक है। क्या धूम्रपान से पैदा हुआ धुआं खतरनाक नहीं है? हर साल दीपावली पर पटाखों के मुद्दे को लेकर खूब बहस होती है। बड़े-बड़े फिल्मी सितारे सोशल मीडिया पर प्रकट होकर जनता से अपील करते हैं कि पटाखे न चलाएं, इससे हवा प्रदूषित होती है, जानवरों को तकलीफ होती है। इस अपील में तथ्यात्मक रूप से कुछ भी गलत नहीं है। सब जानते हैं कि पटाखों के धुएं से प्रदूषण फैलता है, धमाकों से जानवर डरते हैं।

क्या ही अच्छा हो, अगर ये 'सितारे' ऐसी ही अपील फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों से भी करें, जिनकी कई फिल्मों में आतिशबाजी के दृश्य होते हैं। अब तो एआई का जमाना है। उसकी मदद से बिना कोई प्रदूषण फैलाए आतिशबाजी के दृश्य फिल्माए जा सकते हैं। यही अपील उस दिन भी करें, जब चुनाव नतीजे घोषित किए जाएं। प्रायः जब कोई नेता चुनाव जीतता है तो उसके समर्थक पटाखे चलाकर खुशियां मनाते हैं। शादियों के सीजन और नए साल पर भी खूब आतिशबाजी होती है। पर्यावरण को बचाने के लिए वहां भी गंभीरता दिखानी होगी। वायु प्रदूषण बड़ी समस्या है। इसके मद्देनजर एक-दो चीजों पर प्रतिबंध लगाना या नियमों में कुछ सख्ती कर देना काफी नहीं है। ऐसा बहुत कुछ है, जिसे बदलना होगा या उसमें सुधार करना होगा। पर्यावरण संरक्षण सरकार और जनता, दोनों की जिम्मेदारी है। सबको अपने जीवन में झांकना होगा और उन गतिविधियों में यथासंभव सुधार करना होगा, जो वायु प्रदूषण की जिम्मेदार हैं। यहां कथनी और करनी में अंतर होने से काम नहीं चलेगा। इस साल जब राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के कई इलाकों में भयंकर गर्मी पड़ रही थी, पारा हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा था, तब कई लोग अपने 'एसी कक्ष' में बैठकर जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता जता रहे थे! पर्यावरण संरक्षण का संदेश कोरे शब्दों से नहीं, बल्कि अपने जीवन से आना चाहिए। कितने नेता, सरकारी अधिकारी और बड़ी कंपनियों के पदाधिकारी हैं, जो इस संकल्प के साथ अपनी 'सुख-सुविधाओं' में थोड़ी कटौती करने के लिए तैयार होंगे कि हमें पर्यावरण का संरक्षण करना है, हवा को निर्मल बनाना है? कितने लोग हफ्ते में कम-से-कम दो दिन साइकिल से दफ्तर जाने के लिए तैयार होंगे? कितने लोग गर्मियों में एसी की जगह सिर्फ पंखे या कूलर के लिए सहमत होंगे? कितने लोग सर्दियों में अंगीठी / हीटर के बजाय अतिरिक्त ऊनी कपड़े से काम चला लेंगे? कितने नेता अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करेंगे? कितने लोग बारातों में अलग-अलग गाड़ियां ले जाने के बजाय एक या दो वाहन ले जाने को प्राथमिकता देंगे? सुधारों की शुरुआत सबको अपनेआप से करनी होगी। सिर्फ कागजी बातों से पर्यावरण संरक्षण संभव होता तो कई साल पहले हो जाता, चूंकि सबने स्कूली पढ़ाई के दौरान पर्यावरण पर निबंध लिखा ही था।

सामयिक

अब दिल्ली में लगेगी वीर बिरसा मुंडा की प्रतिमा

अशोक प्रवृद्ध

खबर है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण के द्वारा रिंग रोड स्थित बांसेरा पार्क के प्रवेश द्वार पर स्थापित 20 फुट ऊंची और लगभग 3,000 किलोग्राम वजनी महान जनजातीय नेता बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिरसा मुंडा की150वीं जयंती पर 15 नवम्बर 2024 को करेंगे। कहा जा रहा है कि झारखण्ड में हो रहे चुनाव को साधने के लिए एक बड़ा दांव भाजपा के द्वारा समूचे आदिवासी समुदाय के सबसे बड़े नायकों में से एक भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति का 15 नवम्बर को गृहमंत्री अमित शाह द्वारा अनावरण के रूप में दिल्ली में चला जा रहा है। 15 नवम्बर को बिरसा मुंडा की जयंती है। 15 नवम्बर ही झारखण्ड का स्थापना दिवस भी है। 10 नवम्बर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर चुके हैं। अब उसी अवसर पर दिल्ली में सराय काले खां के पास एक पार्क में स्थापित की जा रही बिरसा मुंडा की मूर्ति का अनावरण होगा। कहा जा रहा है कि राज्य की वर्तमान सरकार ने झारखण्ड में भाजपा को आदिवासी विरोधी पार्टी के रूप में स्थापित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। दिल्ली में बिरसा मुंडा के प्रतिमा के स्थापन के द्वारा भाजपा इस छवि को बदलने की कोशिश में है।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि धरती आबा के नाम से प्रसिद्ध बिरसा मुंडा (15 नवम्बर 1875 – 9 जून 1900) एक ऐसे भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे, जिन्होंने ब्रिटिश राज के समय उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखण्ड) में हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति की श्रेणी में अपने आपको शामिल कर लिया। जिसके कारण उन्हें भारत के आदिवासी समाज में आज भी भगवान सरीखा मान–सम्मान प्राप्त है। उल्लेखनीय है कि उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में भारत की सत्ता में अपनी कुटिलता से काबिज अंग्रेज अत्यंत घृणित कुटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को लगातार जल, जंगल, जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने लगे थे। सदा से स्वाभिमानी आदिवासी इसके प्रतिकार में विद्रोह तो किया करते थें, लेकिन संख्या बल में कम होने एवं आधुनिक हत्यारों की अनुपलब्धता के कारण उनके विद्रोह को कुछ ही दिनों में दबा दिया जाता था। यह सब देखकर 15 नवम्बर 1875 को वर्तमान झारखण्ड के रांची जिले के चालकद (सालगा /उलिहातु) गाँव में एक गरीब किसान परिवार सुगना पूर्ति (मुंडा) के घर में माता करमी पूर्ति (मुंडा) की कोख से उत्पन्न पुत्र बिरसा मुंडा विचलित हो गए, और अंततः 1895 में उन्होंने अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व व्यवस्था के विरुद्ध लड़ाई के साथ–साथ जंगल–जमीन की लड़ाई छेड़ दी। यह अंग्रेजों के विरुद्ध मात्र विद्रोह नहीं था, बल्कि यह आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। विगत सभी विद्रोह से सीख लेते हुए बिरसा मुंडा ने पहले सभी आदिवासियों को संगठित किया, फिर अंग्रेजों के ख़िलाफ़ महाविद्रोह फिर छेड़ दिया। बिरसा मुंडा बचपन से ही हृष्ट– पुष्ट व काफी प्रतिभावान थे। साल्गा गाँव में प्रारंभिक शिक्षा के बाद उनके पिता सुगना मुंडा ने अपने पुत्र बिरसा को अच्छी शिक्षा के लिए चाईबासा के गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन चर्च (मिशनरी) विद्यालय में 1886 ईस्वी में बिरसा दाउद के नाम से भर्ती करवाया, क्योंकि इनके माता–पिता ने ईसाई धर्म अपना लिया था। लेकिन विद्यालय में अच्छी शिक्षा के स्थान पर ईसाईयत के पाठ पर जोर दिया जाता था। और बच्चों को ईसाईयत की ओर खींचने का प्रयास किया जाता था। बिरसा मुंडा को अपनी भूमि, संस्कृति से गहरा लगाव था।

बिरसा मुण्डा आदिवासियों के भूमि आंदोलन के समर्थक थे तथा वे वाद–विवाद में हमेशा प्रखरता के साथ आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन पर हक की वकालत करते थे। स्थानीय पादरी कहा करते थे कि यदि वे लोग ईसाई बने रहे और उनके अनुदेशों का पालन करते रहे, तो मुंडा सरदारों की छिनी हुई भूमि को वापस करा देंगे। लेकिन 1886–87 में मुंडा सरदारों ने जब भूमि वापसी का आंदोलन किया तो इस आंदोलन को न केवल दबा दिया गया, बल्कि ईसाई मिशनरियों द्वारा इसकी काफी भर्त्सना की गई। जिससे बिरसा मुंडा को गहरा आघात लगा। उनकी बगावत को देखते हुए उन्हें विद्यालय से निकाल दिया गया। इसलिए 1890 में बिरसा तथा उसके पिता चाईबासा से वापस आ गए। इसके बाद उन्होंने जर्मन मिशनरी की सदस्यता त्याग दी और प्रसिद्ध वैष्णव भक्त आनंद पांडे के संपर्क में आए। बिरसा ने आनंद पांडे से धार्मिक शिक्षा ग्रहण की। आनंद पांडे के सत्संग से उनकी रूचि भारतीय दर्शन और संस्कृति के रहस्यों को जानने की इच्छा और भी उत्कट हो उठी। धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने रामायण, महाभारत, हितोपदेश,

श्रीमद्भगवद्गीता आदि प्राचीन ग्रंथों का भी अध्ययन किया। इसके बाद वे सत्य की खोज के लिए एकांत स्थान पर कठोर साधना करने लगे। लगभग चार वर्ष के एकांतवास के बाद जब बिरसा प्रकट हुए तो उनका रूप बिलकुल बदला हुआ था। वे एक हिन्दू महात्मा की तरह पीला वस्त्र, लकड़ी की खडाऊं और यज्ञोपवीत धारण करने लगे थे। और वे पूर्णतः वैष्णव बन गए थे।

बिरसा ने हिन्दू धर्म और भारतीय संस्कृति का प्रचार करना शुरू कर दिया। ईसाई मत में मतांतरित वनवासी बंधुओं को उन्होंने समझाया कि ईसाई धर्म हमारा अपना धर्म नहीं है। यह विदेशी धर्म है। यह अंग्रेजों का धर्म है। वे हमारे देश पर शासन करतें हैं, इसलिए वे हमारे हिन्दू धर्म का विरोध और ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे हैं। ईसाई धर्म अपनाने से हम अपने पूर्वजों की श्रेष्ठ परंपरा से विमुख होते जा रहे हैं। अब हमें जागना चाहिए। उनके विचारों से प्रभावित होकर बहुत से वनवासी उनके पास आने लगे और उनके शिष्य बन गए। धीरे–धीरे एक महात्मा और सुधारक के रूप में बिरसा मुंडा की ख्याति दूर–दूर तक फैलने लगी। उन्होंने गौहत्या का विरोध किया और अपने शिष्यों को नित्य तुलसी की पूजा करने की प्रेरणा दी।

ईसाई मिशनरी विद्यालय में पढ़ने के बावजूद 20 वर्ष के होते– होते बिरसा मुंडा वैष्णव धर्म की ओर मुड़ गए, और किसी महामारी को दैवीय प्रकोप मानने वाले आदिवासियों को महामारी से बचने के उपाय समझाने लगे। लोग बड़े ध्यान से उन्हें सुनते और उनकी बात मानते भी थे। वे आदिवासियों को धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए कहते थे। और मिशनरियों के कुचक्र से बचने की सलाह भी देते थे। उन्होंने भारत के छोटानागपुर क्षेत्र में आदिवासियों के मध्य अबुआ: दिशोम रे अबुआ: राज अर्थात हमारे देश में हमारा शासन का नारा दिया। और अंग्रेजी शासन के सामने कभी घुटने नहीं टेके, सिर नहीं झुकाया, बल्कि जल, जंगल और जमीन के हक के लिए अंग्रेजी के खिलाफ उलगुलान अर्थात क्रांति का आह्वान किया। धीरे –धीरे लोग बिरसा मुंडा की कही बातों पर विश्वास करने लगे और मिशनरियों की बातों को नकारने लगे। अपने सामाजिक कार्यों से बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें धरती आबा कहा जाने लगा। लेकिन आदिवासी पुनरुत्थान के नायक बिरसा मुंडा अंग्रेजों के साथ –साथ अब मिशनरियों की आँखों में भी खटकने लगे थे। अंग्रेजों एवं मिशनरियों को अपने मकसद में बिरसा मुंडा सबसे बड़े बाधक लगने लगे। इसलिए छोटानागपुर पठार क्षेत्र में आदिवासी धर्मांतरण के अपने सपने को पूर्ण करने में बाधक सिद्ध हो रहे बिरसा मुंडा को षड्यंत्र कर उन्होंने काफी मशक्कत के बाद 22 अगस्त 1895 को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें राजद्रोह के लिए लोगों को उकसाने के आरोप में पचास रुपये का जुर्माना तथा दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी गई। 3 मार्च 1900 को बिरसा के कुछ सहयोगियों के गुप्त मदद से अंग्रेज सिपाहियों ने बिरसा को धोखे से पकड़ लिया। उनके सहयोगियों ने 500 रुपये के लालच में उनके गुप्त ठिकाने के बारे में प्रशासन को सब कुछ बता दिया।

बिरसा मुंडा को पकड़कर रांची कारागार ले जाया गया। उनके साथ पकड़े गए लगभग 400 लोगों को कई धारा के अंतर्गत दोषी बनाया गया। लेकिन मई मास के अंत तक पकड़े गए बिरसा और अन्य मुंडा वीरों के विरुद्ध केस तैयार नहीं हो सका। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की बहुत सी धाराओं में पकड़े गए बिरसा को इस बात की जानकारी थी कि उन्हें सजा नहीं होगी। लेकिन 9 जून की सुबह उन्हें उल्टियां होने लगी, कुछ ही क्षण में वे बंदीगृह में अचेत हो गए। डॉक्टर को बुलाया गया। उसने बिरसा मुंडा की नाड़ी देख उसे बंद पाकर उन्हें मृत घोषित कर दिया। कहा जाता है कि दोष सिद्ध नहीं होने से बिरसा के जेल से छूटने, और छूटने के बाद विद्रोह के और भी वृहद रूप से भड़कने के डर से अंग्रेजों ने उनके दातुन, पानी मे विषैला पदार्थ मिला दिया था। जिससे 9 जून को सुबह मुंह, हाथ धोते ही उन्हें उल्टियां होने लगी। और उनका देहावसान हो गया। आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुंडा भगवान की भांति पूजनीय, नमनीय हैं। लेकिन अब देखना यह है कि दिल्ली में वीर बिरसा मुंडा का प्रतिमा स्थापन झारखण्ड में भाजपा के लिए क्या नया कोई गुल खिलाता है या फिर कमल पुनः खिलता है?

चिंतन

चिंता नहीं, नहीं चिंतन कीजिए

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009415415

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अतः प्रज्ञा होती है इन सिद्धांतों तथा अंतः विचारधारा को जनमानस तक पहुंचने से बाधित न किया जाए अन्यथा यह अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतःप्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति सुकरात हुआ करते थे, उनके विचारों में मौलिकता, नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं। विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है। भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है। विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है। किसी स्वस्थ, स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

ट्वीटर टॉक

शीश के दानी बाबा श्री खाटूश्याम जी के जन्मोत्सव के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। बाबा श्याम जी की कृपा आप सभी पर सदैव बनी रहे और आपका जीवन सुख, समृद्धि और खुशहाली से परिपूर्ण हो यही कामना है।

–गोविंद सिंह डोटासरा

चराचर जगत के पालनहार, भगवान श्री विष्णु जी व माता तुलसी जी की असीम कृपा से आप सभी सुखी, समृद्ध एवं स्वस्थ रहें। आपके जीवन में सदैव आनंद, शांति एवं खुशहाली का वास हो एवं राजस्थान उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

–भजनलाल शर्मा

अनेकों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र प्रभु खाटू श्याम जी के जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। खाटू श्याम जी से मेरी यही प्रार्थना है कि चहुँओर सकारात्मकता, सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली का संचार हो।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

आदर्श शिक्षक का सम्मान

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मैसूर के महाराजा कॉलेज में के प्रोफेसर के रूप में आए। शुरुआत में छात्रों ने शरारतें कीं, लेकिन प्रोफेसर ने उनसे मित्रवत व्यवहार किया, जिसका छात्रों पर गहरा प्रभाव पड़ा। धीरे–धीरे दर्शन शास्त्र में छात्रों की उपस्थिति बढ़ी, और कक्षा के बाद उनकी शिक्षाओं पर चर्चा होती रही। एक दिन यह खबर आई कि प्रोफेसर जा रहे हैं, तो छात्रों का दिल टूट गया। जब प्रो. राधाकृष्णन को यह बात ज्ञात हुई, तो उन्होंने आत्मीयता से समझाया कि जीवन में सबका साथ एक नियत समय तक होता है। कुछ समय बाद तुम भी पढ़ाई पूरी कर यहां से चले जाओगे। तब तुम शिक्षाओं की ज्योति अपने कार्यों से जलाना। विदाई के दिन, एक घोड़ागाड़ी को फूलों से सजाया गया। जब प्रोफेसर गाड़ी पर सवार होने के लिए आए, तो यह देखकर दंग रह गए कि उनके कुछ विद्यार्थी घोड़े की जगह स्वयं गाड़ी को खींच रहे थे। गाड़ी को खींचते हुए उन्होंने अपने प्रिय शिक्षक को मैसूर रेलवे स्टेशन पर उतारा। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की आंखें भी विद्यार्थियों की इस भावभीनी विदाई से नम हो गईं।

नजरिया

कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाती नमो ड्रोन दीदी योजना

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

नमो ड्रोन दीदी सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन में योगदान दे सकती है। भारत का कृषि क्षेत्र प्रौद्योगिकी–आधारित समाधानों के एकीकरण के साथ परिवर्तन के शिखर पर है। ड्रोन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने वाली नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाएँ सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने की क्षमता प्रदान करती हैं, जो कृषि में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करती हैं। ड्रोन उर्वरकों और कीटनाशकों के सटीक अनुप्रयोग को सक्षम करते हैं, अपव्यय को कम करते हैं और समान वितरण सुनिश्चित करते हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन रासायनिक उपयोग में 30 प्रतिशत तक की कमी सुनिश्चित करते हैं। ड्रोन फसलों की वास्तविक समय की निगरानी की अनुमति देते हैं, फ़सल के स्वास्थ्य, मिट्टी की स्थिति और समय पर हस्तक्षेप के लिए प्रारंभिक रोग का पता लगाने पर डेटा प्रदान करते हैं। आंध्र प्रदेश में, ड्रोन ने कीटों के हमलों का समय पर पता लगाने के कारण फ़सल के नुक़सान को 20 प्रतिशत तक कम करने में मदद की। ड्रोन फ़सल के विकास पैटर्न, मिट्टी के स्वास्थ्य और उपज के अनुमान पर सटीक डेटा प्रदान करते हैं, जिससे खेत प्रबंधन और निर्णय लेने में सुधार होता है।

वैश्विक स्तर पर, ड्रोन तकनीक ने कृषि सहित कई उद्योगों में क्रांति ला दी है। भारत में, ड्रोन में अपार संभावनाएं हैं: वे बड़े क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर सकते हैं, फसलों की निगरानी कर सकते हैं, बीमारियों या कीटों का पहले से पता लगा सकते हैं, और कीटनाशकों और उर्वरकों के सटीक उपयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। यह सटीक खेती का तरीका पारंपरिक खेती के तरीकों से जुड़ी लागत और बर्बादी को कम करते हुए फसल की पैदावार को बढ़ाता है। हालांकि, भारतीय कृषि में ड्रोन को अपनाना धीमा रहा है। उच्च लागत, सीमित जागरूकता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपर्याप्त तकनीकी बुनियादी ढांचे ने व्यापक कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, नमो ड्रोन दीदी योजना न केवल ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देती है बल्कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त भी बनाती है।

महाराष्ट्र में तैनात ड्रोन ने किसानों को पैदावार का बेहतर अनुमान लगाने और उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम बनाया। ड्रोन पोषक तत्वों जैसे इनपुट के परिवर्तनीय दर अनुप्रयोग की अनुमति देते हैं, विशिष्ट क्षेत्र की ज़रूरतों के अनुसार समायोजन करते हैं, इनपुट दक्षता को अधिकतम करते हैं। उत्तर प्रदेश में, ड्रोन–सहायता प्राप्त खेती ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता भिन्नताओं के आधार पर उर्वरकों को सटीक रूप से लागू करने में सक्षम बनाया, जिससे पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता में वृद्धि हुई। ड्रोन तकनीक में स्वचालन कीटनाशकों या उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मानवीय त्रुटि को कम करता है, जिससे अधिक प्रभावी संचालन होता है। मध्य प्रदेश में एक पायलट परियोजना ने कीटनाशक छिड़काव में कम त्रुटियों को दिखाया, जिससे फ़सल की उपज में 157 सुधार हुआ। ड्रोन मिट्टी में नमी के स्तर का आकलन करने में मदद करते हैं, जिससे सटीक सिंचाई की सुविधा मिलती है, जिससे पानी का संरक्षण होता है और यह सुनिश्चित होता है कि केवल आवश्यक क्षेत्रों में ही पानी मिले।

ड्रोन–सहायता प्राप्त सिंचाई ने गुजरात के जल–दुर्लभ क्षेत्रों में पानी के उपयोग को 157 तक कम कर दिया। इनपुट लागत में कमी: उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे इनपुट के सटीक उपयोग से, किसान लागत बचाते हैं, जिससे बेहतर संसाधन प्रबंधन में योगदान मिलता है। पंजाब में स्वयं सहायता समूह ने नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन का उपयोग करके इनपुट पर 20 प्रतिशत लागत बचत की सूचना दी। ड्रोन कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मैनुअल श्रम की आवश्यकता को कम करते हैं, जिससे किसानों को श्रम लागत में कटौती करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने में मदद मिलती है। नमो ड्रोन दीदी के तहत ड्रोन सेवाओं को अपनाने के बाद हरियाणा के किसानों ने श्रम व्यय में 25 प्रतिशत तक की कमी का अनुभव किया। ड्रोन तकनीक बड़े खेतों में छिड़काव और निगरानी जैसे कार्यों के लिए आवश्यक समय को काफ़ी कम कर देती है, जिससे समग्र कृषि उत्पादकता में सुधार होता है।

राजस्थान में, ड्रोन की सहायता से कीटनाशक के छिड़काव ने संचालन में लगने वाले समय को 7 दिनों से घटाकर 2 दिन कर दिया, जिससे उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ड्रोन सटीक कीट प्रबंधन में मदद करते हैं, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम करते हैं, जिससे दीर्घकालिक मिट्टी और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार होता है। तमिलनाडु के किसानों ने ड्रोन–सहायता प्राप्त कीट प्रबंधन प्रणालियों का उपयोग करके फ़सल की गुणवत्ता में 10 प्रतिशत सुधार की सूचना दी। नमो ड्रोन दीदी योजना खेती को आधुनिक बनाने, सटीक कृषि को बढ़ाने और इष्टतम संसाधन उपयोग सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी–आधारित कृषि की अपार क्षमता को प्रदर्शित करती है। उचित कार्यान्वयन और समर्थन के साथ, ऐसी पहल भारत के कृषि क्षेत्र को स्थिरता और बढ़ी हुई उत्पादकता की ओर ले जा सकती हैं।

हालाँकि भारत कृषि में ड्रोन को एकीकृत करने वाला पहला देश नहीं है, लेकिन तकनीक के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर इसका ध्यान अद्वितीय है। निरंतर सरकारी समर्थन, बेहतर बुनियादी ढाँचे और किसानों की बढ़ती जागरूकता के साथ, नमो ड्रोन दीदी योजना में खेती को आधुनिक बनाने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की क्षमता है। इन चुनौतियों का समाधान करके, यह पहल लैंगिक समानता और ग्रामीण तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने की मांग करने वाले अन्य विकासशील देशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डोनाल्ड ट्रंप ने मार्को रुबियो को विदेश मंत्री और माइकल वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चुना

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को विदेश मंत्री तथा सांसद माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का जिम्मा संभालने के लिए कहा है। रुबियो (53) को भारत का दोस्त माना जाता है। वह भारत-अमेरिका संबंधों के समर्थक रहे हैं। वाल्टज (50) भी भारत के पुराने समर्थक रहे हैं और वर्षों से भारत एवं भारतीय अमेरिकियों के लिए 'कांग्रेसनल कॉकस' के सह-अध्यक्ष भी रहे हैं।

ट्रंप ने रुबियो को विदेश मंत्री तथा वाल्टज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चुन कर अपने दूसरे प्रशासन के तहत भारत और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत करने की गारंटी दी है। रुबियो और वाल्टज को ऐसे समय पर इन दोनों पदों के लिए चुना गया है जब रिपब्लिकन पार्टी ने अमेरिकी संसद में बहुमत हासिल कर लिया है जिससे ट्रंप इसके दोनों सदनों पर नियंत्रण रख सकेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका के लिए सीनेट की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। ट्रंप की टीम की ओर से इन नामों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने कहा, मैं अपने दोस्त और हमारे अगले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के लिए बहुत खुश हूं। वह दुनिया भर में अमेरिकियों का नेतृत्व करेंगे, खासतौर पर लैटिन अमेरिका का क्योंकि वह अमेरिका का सम्मान और साहस के साथ प्रतिनिधित्व करते हैं। स्कॉट सीनेट में 'मेजॉरिटी लीडर' बनना चाहते हैं, हालांकि वर्तमान में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर यह पद संभाल रहे हैं।

वाल्टज 'आर्मी नेशनल गार्ड' के सेवानिवृत्त अधिकारी और पूर्व सैनिक रह चुके हैं। वह ट्रंप के कट्टर समर्थक रहे हैं। उन्हें चीन के प्रति कठोर रुख रखने वाला माना जाता है और उन्होंने ही कोविड-19 की उत्पत्ति तथा चीन में मुस्लिम उइगर आबादी के उत्पीड़न के कारण बीजिंग में 2022 में हुए शीतकालीन ओलंपिक का अमेरिका द्वारा बहिष्कार करने का आह्वान किया था। अमेरिका की समाचार वेबसाइट 'द हिल' में जारी खबर के मुताबिक, वाल्टज 2019 से सांसद हैं। उन्होंने यूरोप से यूक्रेन को और अधिक समर्थन देने तथा अमेरिका से उसके समर्थन में और अधिक सख्ती बरतने का आह्वान किया है।

ट्रंप ने इससे पहले दिन में न्यूयॉर्क के पूर्व सांसद ली ज़ेल्डिन को 'द यूनाइटेड स्टेट्स एनवायरनमेंटल प्रोटेक्टिव एजेंसी' (ईपीए) के प्रशासक का पद संभालने के लिए कहा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे मंगलवार को अमरावती जिले के दरियापुर में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी उम्मीदवार अभिजीत अडसुल के समर्थन में एक चुनाव अभियान में भाग लेते हुए।

संबोधन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती मंगलवार को धनबाद के रेडिसन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

एमवीए गठबंधन महाराष्ट्र को 'लव और भूमि जिहाद' का अड्डा बना रहा; 'एक हैं तो सेफ हैं': योगी

अमरावती (महाराष्ट्र)/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान हिंदू एकजुटता पर जोर देते हुए अपने पहले के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' में बदलाव करते हुए 'एक हैं तो सेफ हैं' की वकालत की। आदित्यनाथ ने अमरावती के अचलपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) पर महाराष्ट्र को ''लव जिहाद और भूमि जिहाद'' का अड्डा बनाने का आरोप लगाया और आगाह किया कि राज्य को (ऐसे कृत्यों के लिए) ''प्रयोगशाला'' नहीं बनना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और एमवीए गठबंधन के बीच विरोधाभास का उल्लेख किया। एमवीए में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं।

भारत के ऐतिहासिक विभाजन का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, क्योंकि आप बंटे थे, इसलिए यह देश विभाजित हुआ और हिंदुओं को इसलिए मारा गया क्योंकि वे बंटे थे। इसलिए मैं आपसे कहने आया हूं: बंटिए मत। एक हैं तो सेफ हैं। उन्होंने अयोध्या मुद्दे का भी जिक्र करते हुए कहा कि हिंदुओं को 500 साल तक अपमान सहना पड़ा क्योंकि वे बंटे थे। आदित्यनाथ ने कहा, हम बंटे थे और इसीलिए हमें कष्ट सहना पड़ा। हम बंटे थे इसलिए कटे थे।

आदित्यनाथ ने अयोध्या विवाद के समाधान की प्रशंसा की और इस मुद्दे के अंतिम समाधान के लिए 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस कभी भी अयोध्या मुद्दे को हल नहीं करना चाहती थी, जिसे आखिरकार 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सुलझाया गया।

आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ''सबका साथ और सबका विकास'' के लिए काम करता है और सभी की सुरक्षा और प्रगति की गारंटी देता है। उन्होंने कहा, अमरावती में लोकसभा चुनाव वाली गलती मत दोहराइए। अगर आप फिर से बंटे तो भगवान गणेश की पूजा पर हमला होगा और 'लव और भूमि' जिहाद के नाम पर यहां की जमीनों पर कब्जा किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।

इस साल आम चुनाव में, कांग्रेस ने भाजपा उम्मीदवार नवनीत राणा को लगभग 20,000 मतों से हराकर अमरावती निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की थी। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ''लव जिहाद'' या ''भूमि जिहाद'' जैसा कोई मुद्दा नहीं है। आदित्यनाथ ने महिलाओं और गरीबों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के कड़े रुख पर भी जोर दिया। आदित्यनाथ ने कहा, जो कोई भी बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करेगा या गरीबों और सरकार की जमीन पर कब्जा करने की हिम्मत करेगा, यमराज उसका टिकट काटने के लिए तैयार रहेंगे।

पर्यावरण बचाने की जरूरत का अहसास कराती हैं महाकवि कालिदास की रचनाएं : उप राष्ट्रपति

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाए जाने पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि महाकवि कालिदास की रचनाएं पर्यावरण बचाने की जरूरत का अहसास कराती हैं। धनखड़ ने उज्जैन में 66वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह के उदघाटन समारोह में कहा, आज की ज्वलंत समस्या पर्यावरण की है। महाकवि कालिदास की रचनाओं से हमें बोध होता है कि पर्यावरण का संरक्षण हमारे अस्तित्व के लिए अहम है।

उप राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या से निपटने के प्रति सबको ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि हमारे पास पृथ्वी के अलावा कोई दूसरा स्थान रहने के लिए नहीं है।

धनखड़ ने कहा कि कालिदास को ''समग्र कवि समुदाय का कुलगुरु'' कहा जाता है और अभिज्ञान शाकुन्तलम्, मेघदूतम्, कुमार संभवम् और ऋतु संहार तथा मालविका अग्निमित्रम्'' सरीखी उनकी अमर कृतियों में मानवीय भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

उप राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि दुनिया में भारत के अलावा दूसरा कोई भी देश नहीं है जिसके पास इतनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हो। उन्होंने कहा कि देश की सांस्कृतिक जड़ें नागरिकों को जीवन के दर्शन, सार और मूल्य के साथ ही अपने अस्तित्व का महत्व बताती हैं। धनखड़ ने कहा, यह बात ध्यान रखने वाली है कि जो देश और समाज अपनी संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को संभाल कर नहीं रखता, वह ज्यादा दिन नहीं टिक सकता।

'वागले की दुनिया' वित्तीय घोटालों के खिलाफ जागरूकता पैदा करता है

मुंबई/एजेन्सी

सब का शो 'वागले की दुनिया' वित्तीय घोटालों के खिलाफ जागरूकता पैदा कर रहा है, जो अभिनेत्री करुणा पांडे के वास्तविक जीवन के अनुभव से प्रेरित है। सोनी सब का शो 'वागले की दुनिया – नई पीढ़ी नए किस्से' लगातार प्रासंगिक कहानियों को सामने ला रहा है। इसके हालिया एपिसोड में राजेश वागले (सुमित राघवन) की बॉस कियारा (अंजू जाधव) एक भयानक वित्तीय घोटाले में फंसती दिखाई देती है। घटनाओं के एक तनावपूर्ण क्रम में घोटालेबाज जांच अधिकारी बनकर कियारा को धोखाधड़ी वाले वित्तीय लेनदेन करने के लिए प्रेरित करते हैं। शक होने पर राजेश आगे आता है और किसी भी तरह के नुकसान को रोकने की कोशिश करता है।

आम आदमी को प्रभावित करने वाले मुद्दों को संबोधित करने के लिए मशहूर वागले की दुनिया इस कहानी के लिए सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल की करुणा पांडे उर्फ पुष्पा से प्रेरणा लेती है। उसके साथ भी इसी तरह की धोखाधड़ी हुई थी।

खुद को जांच अधिकारी बताकर धोखेबाजों ने उनसे अवैध लेन-देन को लेकर पूछताछ की थी। वागले की दुनिया में यह कहानी को प्रदर्शित कर शो के जरिये जागरुकता बढ़ाने की कोशिश की गई है और दर्शकों को वित्तीय धोखेबाजी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दर्शकों को इस वास्तविक जीवन से प्रेरित कहानी को स्क्रीन पर देखने में दिलचस्पी होगी, क्योंकि राजेश कियारा को बचाने के लिए धोखेबाजों का सामना करता है।

राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले सुमित राघवन ने कहा, वागले की दुनिया का हिस्सा बनकर गर्व महसूस होता है क्योंकि यह शो लगातार वास्तविक जीवन के मुद्दों को सामने लाता है। हम न केवल मनोरंजन करना चाहते हैं, बल्कि अपने दर्शकों को सतर्क रहने और कठिन परिस्थितियों में समझदारी से काम लेने के बारे में जागरुक करना चाहते हैं। इस कहानी के माध्यम से हम वित्तीय घोटालों के बारे में जागरुकता बढ़ाने और दर्शकों को सूचित और सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित करने की उम्मीद करते हैं। करुणा पांडे को वास्तविक जीवन में इस तरह का अनुभव हुआ है और उनसे ही इस एपिसोड की प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में सराहना करती हूं कि वागले की दुनिया ऐसे प्रासंगिक और जुड़े हुए मुद्दों को कैसे संबोधित कर रही है। इस तरह के घोटाले का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने के बाद मुझे लगा कि अपनी कहानी साझा करना ज़रूरी है। यदि मेरा अनुभव दूसरों को इसी तरह के जाल में फंसने से बचने में मदद कर सकता है, तो शो में इसे जीवंत करना सार्थक से भी ज़्यादा है। मुझे खुशी है कि शो ने इन वास्तविकताओं को सार्थक तरीके से सामने लाने का बीड़ा उठाया है। सोनी सब पर वागले की दुनिया – नई पीढ़ी नए किस्से सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित होता है।

प्रकृति की गोद देहरादून में एडवेंचर कर रहीं अभिनेत्री राइमा सेन

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध अभिनेत्री राइमा सेन ने हाल ही में अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर देहरादून और कलेसर की खूबसूरत वादियों में एक रोमांचकारी और सुकूनभरी छुट्टी बिताई। बेहतरीन अभिनय और अपने विभिन्न किरदारों के लिए जानी जाने वाली राइमा ने प्रकृति के करीब आकर पर्वतों की शांति में सुकून की साँस ली। उनकी छुट्टियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं, जहाँ वे इन पलों का आनंद लेते हुए नजर आ रही हैं। इस यात्रा के दौरान राइमा ने सूर्योदय ट्रेक्स का भी आनंद लिया और प्रकृति की सुंदरता में खो गईं। एक तस्वीर में वे सूरज को हाथों में थामे मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं, जो उनके खुशमिजाज और जिंदगी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। एक अन्य तस्वीर में वे खुली जीप में कलेसर की हरी-भरी वादियों में घूमते हुए देखी जा सकती हैं, जहाँ उनका आत्मविश्वास और उत्साह देखते ही बनता है। राइमा का देहरादून और कलेसर में ये एडवेंचर उनकी साहसी प्रवृत्ति और प्रकृति प्रेम को दर्शाता है। फिल्म सेटस की भागदौड़ से दूर रहकर इस छुट्टी ने उन्हें पूरी तरह से तरोताजा कर दिया। उनकी ये यात्रा उनके प्रशंसकों के लिए प्रेरणा बन गई है, जहाँ वे अपनी जिंदगी में भी यात्रा, रोमांच और आत्म-देखभाल को अपनाने का संदेश देती हैं।

हॉरर सीरीज 'भेद-भरम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह की हॉरर सीरीज भेद-भरम का ट्रेलर रिलीज हो गया है।विपुल अमृतलाल शाह अपने प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स और डीडी नेशनल के साथ नई और रोमांचक टीवी सीरीज़ भेद-भरम लेकर आ रहे हैं, जिसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है। यह शो हरकिशन मेहता के लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। इस शो में यशपाल शर्मा, अतुल कुमार, गौरव चोपड़ा, ऐश्वर्या सखूजा, वैशाली ए. ठक्कर, विशाल मल्होत्रा, प्रणव मिश्रा, दिव्यांगना जैन, वाणीकी त्यागी और समीर धर्माधिकारी जैसे कलाकार शामिल हैं।

मेकर्स ने शो को इंट्रोड्यूस करते हुए एक कैप्शन के साथ ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया है,भेद-भरम का निर्देशन यूसुफ बसराई ने किया है, इसकी कहानी हरकिसन मेहता ने लिखी है। यह शो सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड द्वारा प्रोड्यूस और आशिन ए. शाह और रविचंद नल्लप्पा द्वारा को-प्रोड्यूस है। विपुल अमृतलाल शाह अपनी अगली फिल्म हिसाब पर काम कर रहे हैं, जो सनशाइन पिक्चर्स और जियो स्टूडियोज साथ मिलकर बना रही है। यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित और निर्देशित डायरेक्ट की है, और आशिन ए शाह ने को-प्रोड्यूस की है। इस फिल्म में जयदीप अहलावत और शेफाली शाह स्टार कर रहे हैं। यह फिल्म साल के अंत तक रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

पैन-इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली 'सिकंदर का मुकद्दर' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया गया है। मनोरंजक डकैती नाटक एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है, जिसमें संदिग्धों के एक समूह को शामिल किया गया है, जिनमें से प्रत्येक 60 करोड़ रुपये के सॉलिटेयर हीरों की चोरी में अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश कर रहा है। ट्रेलर ने पहले ही प्रशंसकों का ध्यान खींच लिया है, जिससे आगे के रोमांचक फिल्म के लिए उत्साह पैदा हो गया है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, नेटफ्लिक्स ने ट्रेलर को सोशल मीडिया पर कैप्शन के साथ साझा किया, कौन है मासूम, कौन है मुजरिम, और किसकी मूलवृत्ति है सबसे शातिर? देखिये सिकंदर का मुकद्दर, 29 नवंबर को, केवल नेटफ्लिक्स पर।

नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म में, तमन्ना ने अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ 60 करोड़ रुपये मूल्य के एक हीरे की डकैती के इर्द-गिर्द घूमते एक हाई-स्टेक ड्रामा में मुख्य भूमिका निभाई है। तमन्ना ने कामिनी सिंह का किरदार निभाया है, जबकि अविनाश तिवारी ने सिकंदर शर्मा का किरदार निभाया है। जिमी शेरगिल ने जसविंदर सिंह की भूमिका निभाई है, जो हीरा चोरी के मामले को सुलझाने के लिए नियुक्त दृढ़ पुलिसकर्मी है। फिल्म में प्रशंसकों को तमन्ना की एक साहसिक नई भूमिका के ताजा और गतिशील चित्रण का बेसब्री से इंतजार है।

ट्रेलर रिलीज से पहले, नेटफ्लिक्स ने फिल्म के विभिन्न शूटिंग स्थानों से पर्दे के पीछे के फुटेज को भी साझा किया था, जिससे उत्साह और बढ़ गया था। अब ट्रेलर सामने आने के साथ, यह स्पष्ट है कि 'सिकंदर का मुकद्दर' 29 नवंबर, 2024 को स्ट्रीम होने पर एक अविस्मरणीय रोमांचकारी यात्रा होगी। इस रोमांचक परियोजना के साथ, तमन्ना ने हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' की शूटिंग पूरी की, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है।

उन्होंने तमिल ब्लॉकबस्टर 'अरनमनई 4' के साथ 2024 की जोरदार शुरुआत की, जिसने छ100 करोड़ से अधिक की कमाई के साथ तमिल बॉक्स ऑफिस पर सूखा खत्म किया। उनकी जीत का सिलसिला 'स्त्री 2' के वायरल गाने 'आज की रात' के साथ जारी रहा, जिसने शरीर की सकारात्मकता पर व्यापक बातचीत शुरू की और ऑवरग्लास फिगर की वापसी का जश्न मनाया। करण जौहर द्वारा निर्मित 'डेयरिंग पार्टनर्स' सहित विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं के साथ, तमन्ना अपने बहुमुखी करियर में लगातार चमक रही हैं, जिससे प्रशंसक आने वाले समय के लिए उत्साहित हैं।

खलनायकी की दुनिया के बेताज बादशाह थे अमजद खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में अमजद खान का नाम ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने खलनायकी के क्षेत्र में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। 12 नवंबर 1940 को जन्में अमजद खान को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता जयंत फिल्म इंडस्ट्री में खलनायक की भूमिका निभा चुके थे। अमजद खान ने बतौर कलाकार अपने अभिनय जीवन की शुरूआत वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म ..अब दिल्ली दूर नही ..से की । इस फिल्म में अमजद खान ने बाल कलाकार की भूमिका निभायी। वर्ष 1965 में अपनी होम प्रोडक्शन मे बनने वाली फिल्म ..पत्थर के सनम ..के जरिये अमजद खान बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरूआत करने वाले थे लेकिन किसी कारण से फिल्म का निर्माण नही हो सका । सत्तर के दशक मे अमजद खान ने मुंबई से अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद बतौर अभिनेता काम करने के लिये फिल्म इंडस्ट्री का रूख किया ।

वर्ष 1973 में बतौर अभिनेता उन्होंने फिल्म ..हिंदुस्तान की कसम ..से अपने करियर की शुरूआत की लेकिन इस फिल्म से दर्शको के बीच वह अपनी पहचान नहीं बना सके। इसी दौरान अमजद खान को थियेटर में अभिनय करते देखकर पटकथा लेखक सलीम खान ने अमजद खान से शोले में गब्बर सिंह के किरदार को निभाने की पेशकश की जिसे अमजद खान ने स्वीकार कर लिया। फिल्म ..शोले.. के किरदार गब्बर सिंह ने अमजद खान को फिल्म इंडस्ट्री में सशक्त पहचान दिलायी लेकिन फिल्म के निर्माण के समय गब्बर सिंह की

जन्मदिवस पर विशेष

भूमिका के लिये पहले डैनी का नाम प्रस्तावित था।फिल्म ..शोले ..के निर्माण के समय गब्बर सिंह वाली भूमिका डैनी को दी गयी थी लेकिन उन्होंने उस समय धर्मात्मा में काम करने की वजह से शोले में काम करने से लिये इंकार कर दिया। शोले के कहानीकार सलीम खान की सिफारिश पर रमेश सिप्पी ने अमजद खान को गब्बर सिंह का किरदार निभाने का अवसर दिया। जब सलीम खान ने अमजद खान से फिल्म ..शोले ..में गब्बर सिंह का किरदार निभाने को कहा तो पहले तो अमजद खान घबरा से गये लेकिन बाद में उन्होंने इसे एक चैलेंज के रूप में लिया और चंबल के डाकुओं पर बनी किताब .अभिशप्त चंबल.. का बारीकी से अध्ययन करना शुरू किया। बाद में जब फिल्म ..शोले ..प्रदर्शित हुयी तो अमजद खान का निभाया किरदार ..गब्बर सिंह ..दर्शको में इस कदर लोकप्रिय हुआ कि लोग गाहे बगाहे उनकी आवाज और चाल ढ़ाल की नकल करने लगे ।

बताया जाता है कि जब फिल्म शोले की शूटिंग शुरू हुई तो अमजद खान को मुंबई से बैंगलौर पहुँचना था।वह फ्लाइट लेकर बैंगलौर के निकले।अभी फ्लाइट ने उड़ान भरी ही थी कि पता चला विमान में कुछ तकनीकी खराबी आ गयी है।इसके बाद किसी तरह विमान को रास्ते में ही किसी एअरपोर्ट पर उतार लिया गया।कुछ चार-पांच घंटो के बाद विमान की तकनीकी खराबी ठीक कर ली गई।लेकिन यात्रियों ने इसमें यात्रा करने से मना कर दिया।अमजद खान को किसी भी तरह बैंगलौर पहुंचना था।अमजद खान ने विमान में यात्रा का फैसला किया और शूटिंग पर पहुंचे।

फिल्म ..शोले की सफलता से अमजद खान के सिने कैरियर में जबरदस्त बदलाव आया और वह खलनायकी की दुनिया के बेताज बादशाह बन गये। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नही देखा और अपने दमदार अभिनय से दर्शको की वाहवाही लूटने लगे। वर्ष 1977 मे प्रदर्शित फिल्म ..शतरंज के खिलाडी ..मे उन्हें महान निर्देशक सत्यजीत रे के साथ काम करने का मौका मिला। इस फिल्म के जरिये भी उन्होंने दर्शको का मन मोह लिया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो चेप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो लेडिस विंग द्वारा राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रोजेक्ट स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत छः दिवसीय मास्टर ऑफ आर्ट्स इन पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनूठे और नए कलेक्शन के साथ आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

15 नवंबर से शुरू होगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी यहां 'द ललित अशोक' में 15 नवंबर से शुरू होगी। यह 17 नवंबर तक जारी रहेगी। समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। इसके आयोजकों ने बताया कि यहां अनूठा और नया कलेक्शन मिलेगा। यहां डिजाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन का सामान और ऐसे कई प्रॉडक्ट मिलेंगे, जिनकी नई रेंज के साथ नए साल के अपने लुक को स्टाइलिश बना सकते हैं। आयोजकों ने कहा कि इस सीज़न में स्टाइलिश फैशन कलेक्शन के साथ स्टाइल स्टेटमेंट बनाएं। ट्रेंडसेटिंग फैशन कलेक्शन की शॉपिंग करें।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध रहेंगे।

विजयनगर परिषद का दीपावली मिलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । यहां 10 नवम्बर को विजयनगर परिषद के अध्यक्ष मनोज बैद के नेतृत्व में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन अर्ह्म भवन में हुआ। सामूहिक नमस्कार महामंत्र के बाद गणेश वंदना ट्विंकल डागा द्वारा की गई। अध्यक्ष बैद ने पधारे हुए समस्त विशिष्ट अतिथि गण एवं परिषद् परिवार के सदस्यों का स्वागत किया एवं सभी आर्थिक सहयोगियों के प्रति साधुवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कूपन के प्रथम, द्वितीय, तृतीय सहित द्वारा कई आकर्षक इनाम निकाले गये।

इस बीच गायक कलाकारों ने अपने सुमधुर गानों के द्वारा समय समय पर सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर अनेक सदस्य एवं अतिथिगण उपस्थित थे। संचालन सहमंत्री विकास बाँठिया ने किया एवं अंत में आभार कोषाध्यक्ष राकेश दुधेड़िया ने किया।

'जीतो' द्वारा पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चेप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो लेडिस विंग द्वारा राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रोजेक्ट स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत छः दिवसीय मास्टर ऑफ आर्ट्स इन पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड ने कहा कि यह एक ऐसा कौशल है जिसे आसानी से खूब प्रैक्टिस करके सीखा जा सकता है। यदि आप अपने करियर में सफलता हासिल करना चाहते हैं तो आप जितनी जल्दी हो सके इस स्किल में महारत हासिल करने का प्रयास करें। जितना टॉप पर आप कॉरपोरेट जगत में कार्य करेंगे, उतना ज्यादा आपको अच्छे पब्लिक स्पीकिंग स्किल की आवश्यकता होगी।

सह-प्रशिक्षक नमिता दूगड़ ने कहा कि इस कार्यशाला के द्वारा सहभागी सदस्य प्रभावी सार्वजनिक बोलने के कौशल कैरियर की उन्नति में मदद कर सकेंगे। अपनी रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच कौशल, नेतृत्व क्षमता, शिष्टता और व्यावसायिकता को आगे बढ़ाने में यह गुण जो किसी भी व्यवसाय या कार्यक्षेत्र में बहुत मूल्यवान हैं। सह-प्रशिक्षक अनिल दूगड़ ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से जो आत्मविश्वास आएगा वह जादू का कार्य करेगा। इस हेतु पब्लिक स्पीकिंग आपको काम पर अलग दिखने में मदद करेगा। कैसे बोलना, कितना और किस प्रकार से बोलना तथा विचारों को बढ़ावा देने में इस कार्यशाला द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है।

प्रशिक्षकों ने पीपीटी के ज़रिए प्रशिक्षण देते हुए किस प्रकार बोलना, कैसे खड़े रहना, शब्दों के चुनाव एवं कैसे प्रस्तुति देना आदि सीखाया। छः दिवसीय इस कार्यशाला का शुभारम्भ नवकार मंत्र से हुआ। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना ने सभी का स्वागत किया। सभी प्रशिक्षक एवं पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी ने मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड का, सहमंत्री सुमन रांका ने सह-प्रशिक्षक नमिता दूगड़ का, सह-संयोजिका सारिका जैन ने सह-प्रशिक्षक अनिल दूगड़ का परिचय दिया।

उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, पूर्वअध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, मेंटर निशा सामर, मधु कटारिया लेडिस विंग संयोजक नेमीचंद दलाल ने शुभकामनाएँ संप्रेषित की। कार्यसमिति सदस्य साधना धोका, अल्का लोढ़ा, पुष्पा जैन, स्वीटी नाहर, संगीता नागोरी, नन्दा बाफ़ना उपस्थित थे। संचालन महामंत्री रक्षा छाजेड ने किया। कार्यशाला में लगभग 35 प्रशिक्षुक रहे।

श्रमण दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने मैसूरु चातुर्मास हेतु विराजित श्री सुलोचनाश्री जी कि शिष्या श्री प्रियकल्पना श्रीश्री के प्रवचन श्रमण दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद लिया। सदस्यों ने मैसूरु पिंजरापोल गौशाला का भ्रमण कर गायों को चारा खिलाया गया। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने श्री सुमतिनाथ जैन संघ मैसूरु सहित सभी सदस्याओं का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महिला परिषद की बहुत सी सदस्याएं उपस्थित थी यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा द्वारा दी गयी।

जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शिवाजीनगर स्थित हीराबाग में गजकेसरी गणेशीलालरजी म. सा. की जयंती मनाई गई। समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में भाजपा के नेता और श्रावक निर्मल सुराणा उपस्थित थे। समारोह में महासाध्वी श्री आगमश्रीजी म.सा., श्री अगमश्रीजी ने गुरुदेव के मार्ग पर चलने के लिए अनेक दृष्टांत बताए। समारोह का संचालन मंत्री अशोक बाँठिया ने किया। बहुमंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मायुम 'स्टार्स' ने मनाया दीपावली मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने अपना दीपावली स्नेह मिलन 2024 स्थानीय आर वी डेंटल कॉलेज ऑडिटोरियम में एक अनोखे ढंग से मनाया। जिसमें संस्कृति और वर्तमान स्थिति की मिला जुला संगम देखने को मिला। सभागार में बड़ी संख्या में स्टार्स परिवार के सदस्य एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थिति थे। गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन से शुरु हुए कार्यक्रम में बच्चों ने अनेकता में एकता और दीपावली त्यौहार पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य की अनूठी प्रस्तुतियाँ दी। जिसमें 16 बच्चों ने भाग लिया जिसे महिला समिति के सदस्यों ने मिलकर सजाया। बच्चों को विशेष उपहार प्रदान किये गए।

शाखा के अध्यक्ष राहुल गोयनका ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने मुख्य प्रायोजक मोरिस गैराजेस का भी आभार व्यक्त किया। समाज के भामाशाह और सभी सेवा कार्यों में अग्रणी मुरारीलाल सरावगी का उनके कार्यों को देखते हुए 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मान किया गया।

इस शुभ अवसर पर प्रभात किशनपुरिया, मुरली सर्राफ, सतीश मित्तल, रवि सिंघानिया, सतीश गोयल, प्रकाश मांदोथ, बिपिन टिबरेवाल , नीरज बंसल एवं अन्य बेंगलूरु के विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे। 'कन्नड़ सीखें' पुस्तक के द्वितीय अंक का विमोचन किया गया। मंच ने नौजवानों में बढ़ते अवसाद और चिंता को मद्देनज़र रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित 'जम्प वेंकट जम्प' नामक नाटक कोलकाता से आये अमेचर एक्टर्स एसोसिएशन के कलाकारों द्वारा मंचित किया गया। कार्यक्रम में बीच बीच में लकी ड्रा का आयोजन किया गया। सभी ने एक दूसरों को दीपावली की रामा श्यामा की।

कार्यक्रम आयोजक गौरांग गुप्ता, आयुष अग्रवाला और दीपक गुप्ता ने अन्य कार्यकारिणी सदस्यों के साथ मिलकर इस दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम को बखूबी सजाया। अंत में सचिव पंकज जैन ने सभी को धन्यवाद दिया। मंच संचालन सुशील बंसल एवं अमित अग्रवाल ने किया जिनका साथ साक्षी चनानी एवं शिप्रा अग्रवाला ने बखूबी निभाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

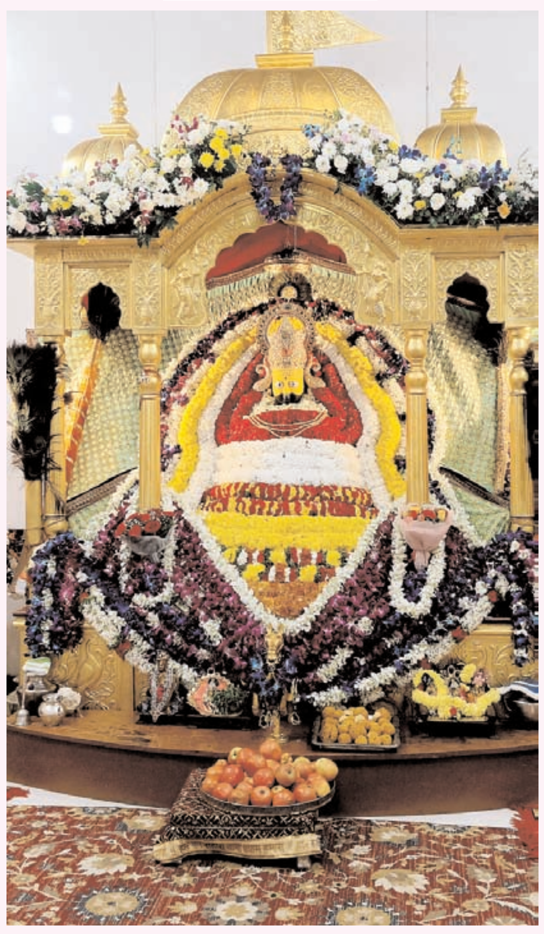

श्याम जन्मोत्सव

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा स्थित श्री श्याम मंदिर में देवउठनी कार्तिक एकादशी के मौके पर 12 नवम्बर को श्याम बाबा का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिर में 'श्याम निशान' चढाने वालों और श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दोपहर में बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार जन्मोत्सव पर मिल्क केक का प्रसाद चढाया गया। कीर्तन के उपरांत सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था रखी गई।

परोपकार की भावना रखें : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा की सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभा जी म. सा. ने कहा कि परोपकार से जीवन महान बनता है। परोपकार की भावना व्यक्ति को जीवन में उच्चतम शिखर पर लेकर जाती है। उन्होने माता पिता, गुरु और अतिथि को देव तुल्य बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में इनका आदर-सम्मान पूजनीय रूप में सदा सर्वोपरि बताया गया है। उन्होंने जैन श्रावक के लिए अपने नाम के आगे 'शाह' शब्द कब से और क्यों लगाया गया इसके बारे में इतिहास में उल्लेखित भारत में भंयकर दुष्काल-अकाल में घटी एक प्रेरक रोचक घटना पर चर्चा करते हुए कहा कि यह जैन श्रावक गुजरात के धर्मनिष्ठ दानवीर खेमाशाह से जुड़ी हुई हैं। उचित समय पर उचित स्थान पर दिये गए उदारता, अहोभाव पूर्वक दिये गये दान से इंसान की यश, कीर्ति, और पुण्य में वृद्धि होती है। उन्होंने गुप्तदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूर्वभव में न फलस्वरूप 'पहले दिये गये गुप्तदान ही व्यक्ति को अपार धन- सम्पदा से भरे भण्डार - खजाने की प्राप्ति होती है। भूखे की भोजन प्यास को पानी और अभावग्रस्त की समय पर पहुंचायी गयी मदद, सेवा सहयोग ही सफल कल्याणरूप पुण्यबंध का हेतु बनता है। दीपक के बुझ जाने के बाद उसमें तेल डालना और खेती सूख जाने के बाद वर्षा का होना व्यर्थ है। अतः वक्त पर किये गये कार्य का ही महत्त्व और उसकी कीमत आंकी जाती है। समय पर बरसा एक छोटा सा बादल भी खेत में रही फसल को हरा-भरा लहलहा देता है। बैठने के लिए आसन, भूमि, शीतल जल और मधुर मीठी वाणी होनीचाहिए। यह चार चीजें सज्जन पुरुष के पास से कभी जाती नहीं है। अतः व्यक्ति कृपण नहीं उदार बनें। दान देना सद्गृहस्थ श्रावक का प्रथम कर्तव्य बताया गया है। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी एवं संघ के पदाधिकारियों ने चेन्नई से पधारे अतिथियों का सम्मान किया। संचालन सुरेश कुमार धोका ने किया।

जीतो कमेटी द्वारा संतों के साथ जैन समाज की प्रगति पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां चातुर्मासार्थ विराजित गुरु भगवंतों के दर्शन की श्रृंखला में जीतो कमिटी के सदस्यों ने आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में विराजित आचार्यश्री विज्ञानप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. एवं श्री निर्मोदप्रभाविजय जी म.सा. के दर्शन लाभ लिया। जीतो के चेयरमैन विमल कटारिया ने जीतो के बारे में विस्तृत जानकारी में बताया कि हम जैन समाज के उत्थान के लिए हर क्षेत्र में सक्रिय है। हमारी संस्था आर्थिक सुदृढ़ता को विशेष महत्व देती है और समाज में शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। वही श्रमण आरोग्यम के संयोजक जैन दिनेश खिंवेसरा ने गुरु भगवंतों को स्वास्थ्य कार्ड बनाने की विनती की।

जीतो कमिटी द्वारा आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के दर्शन और जैन समाज की प्रगति पर संवाद में जीतो टीम को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सेवा कार्यों की सराहना की और उन्हें इसी तरह समाज और आध्यात्मिक विकास के लिए कार्यरत रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट से अध्यक्ष गौतम सोलंकी, मंत्री कांतिलाल वोरा, पूर्व अध्यक्ष तेजराज नागौरी, कर्मठ कार्यकर्ता रमेश भाई उपस्थित थे। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ से मंत्री अशोक भंडारी, कार्यकारिणी सदस्य रमेश दक, प्रीतेश जैन, सतीश पोरवाड़, राकेश पोखरणा, नीतेश गांधी जीतो सदस्य दिनेश लोढ़ा भी मौजूद थे।

परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ भवन में रविवार को जैन विद्या परीक्षा का आयोजन किया गया। स्थानीय सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड, मंत्री गुलाब बांठिया, संगठन मंत्री विनोद बोथरा, तेयुप अध्यक्ष विकास छाजेड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, साउथ कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़, महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन पटवारी उपस्थित थे। सबकी उपस्थिति में प्रश्न पत्र खोले गए। आज 10 परीक्षार्थियों ने ऑफलाइन एवं कुल 56 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन परीक्षा दी। प्रमाणिकता का पूरा ख्याल रखा गया। केंद्र व्यवस्थापक सीमा छाजेड़ एवं सहकेंद्र व्यवस्थापक संगीता डागा, शारदा बैद, सीमा दक, दीपिका देरशरिया, लक्ष्मी बैद उपस्थित रहे।

मरुधरा जैन संघ के डॉ. लूनावत बने अध्यक्ष, भंडारी मंत्री चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री मरुधरा जैन संघ बेंगलूरु का स्नेह मिलन गत रविवार को रेजीडेंसी होलीडे रिसोर्ट बैगूर नेलमंगला में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर दो वर्ष के कार्यकाल के लिए नई समिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से डॉ. जवरीलाल लूनावत को अध्यक्ष चुना गया। 31 वर्ष पुरानी इस संस्था के अध्यक्ष चुने जाने के बाद जवरीलाल लूनावत ने कांतिलाल गुलेच्छा को उपाध्यक्ष, प्रवीण भंडारी को मंत्री, महावीर संचेती को कोषाध्यक्ष और अमृतलाल खीमराज सालेचा को सहमंत्री बनाया।

कार्यकारिणी समिति में विभिन्न गांव से 22 सदस्यों को शामिल किया गया। उल्लेखनीय है कि 31 वर्ष पुरानी मरुधरा संघ में प्रवासित मरुधरा के कुल 31 गाँवों के जैन परिवारों को सम्मिलित किया गया है जिसमें जोधपुर संभाग के अनेक गाँवों के परिवारों को जोड़कर एक सुदृढ़ संघ को बनाने की नींव रखी गयी थी।

मुमुक्षु का अभिनन्दन

महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा द्वारा शाखा के सहमंत्री विजय गोलेछा की पुत्री मुमुक्षु देशना गोलेछा का सम्मान कर अभिनन्दन किया। मुमुक्षु का आगामी 14 दिसम्बर को चेन्नई के केसरवाड़ी में आचार्यश्री अभयसूरीश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में दीक्षा होगी। इस मौके पर शाखा के कार्यदर्शी प्रकाश पारेख, कोषाध्यक्ष अशोक ओस्तवाल, सहमंत्री विजय गोलेछा ने अपने विचार रखे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com